डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः 'मदर इंडिया' से 'गुंजन सक्सेना' तक.....

वर्ष -08 अंक -09 | प्रयागराज, बुधवार 09 मार्च , 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

रूस ने 13वें दिन यूक्रेन पर तेज किए हमले, भारत लाया जाएगा छात्र नवीन का शव

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के आज 13 दिन हो गए है। दोनों देशों के बीच लगातार हमले जारी हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करने के लिए दूसरे देश भी तैयार हैं। इसके बावजूद रूस और यूक्रेन के बीच हालात सुधर नहीं रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के एक्जिट पोल सामने आ गए हैं। उत्तर प्रदेश में सातवें और आखिरी चरण के लिए मतदान संपन्नहोते

ही पांच राज्यों को लेकर आए एक्जिट पोल में भाजपा को बड़ा फायदा दिख रहा है। एक्जिट पोल के मुताबिक दूसरी बार भाजपा को सत्ता मिल सकती है। वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में आ सकती है। उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस में कांटे की टक्कर होती दिख रही है। हालांकि अनुमान है कि भाजपा सरकार बचा लेगी। गोवा में ज्यादातर एक्जिट पोल त्रिशंकु नतीजों का अनुमान लगा रहे हैं और मणिपुर में भाजपा कांग्रेस से आगे खड़ी दिख रही है।

केसीआर भारत के संविधान का सम्मान नहीं करते, खुद लिखना चाहते हैं: भाजपा विधायक रघुनंदन राव

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी के विधायक रघुनंदन राव ने सोमवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कटाक्ष करते हुए

कहा कि सीएम केसीआर भारत का अपना संविधान लिखना चाहते है, क्योंकि वह बाद वाले भारतीय संविधान का सम्मान नहीं करना चाहते है। बता दें कि पार्टी विधायक राव की टिप्पणी तब आई जब भाजपा विधायकों राजा सिंह, रघुनंदन राव और इटेला राजेंदर को सोमवार को तेलंगाना राज्य विधानसभा में बजट सत्र से बिना कोई कारण बताए निलंबित कर दिया गया। समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी के विधायक रघुनंदन राव ने मुख्यमंत्री केसीआर पर खूब तंज कसे। उन्होंने कहा, 'बीआर अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखा है और केसीआर इसका सम्मान नहीं करना चाहते हैं। वह अपना संविधान खुद लिखना चाहते हैं, इसलिए जब हम लोकतांत्रिक तरीके से राज्य सरकार की एक तरह की अवैध गतिविधियों का प्रदर्शन कर रहे थे तो हमें बिना कोई कारण बताए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया।' विधायक राव ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आगे कहा, 'हम अदालत और अन्य एजेंसियों से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, जहां हमारे संविधान की रक्षा की जा सकती है क्योंकि यह हमारा और तेलंगाना के अन्य चार करोड़ लोगों का हित है । हम लोगों को यह बताना चाहते हैं कि यह सरकार कैसे अलोकतांत्रिक तरीके से राज्य पर शासन कर रही है। सीएम केसीआर पर लगाए आरोप का भाजपा विधायक रघुनंदन राव ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि भाजपा किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि उस व्यक्ति के खिलाफ है, जो भारत के संविधान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।' उन्होंने कहा, 'भविष्य की कार्रवाई के बारे में पार्टी के बुजुर्गो और पार्टी प्रमुख के बीच चर्चा होने जा रही है, जो संविधान की गरिमा लाएगा। हम व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उस व्यक्ति के खिलाफ हैं, जो हमारे देश के संविधान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। जो लोग बीआर अंबेडकर संविधान के खिलाफ हैं, हम उनके खिलाफ लड़ रहे हैं। तेलंगाना राज्य विधानसभा सत्र से निलंबन के बाद भाजपा के तीन विधायक इस विषय पर राज्य के राज्यपाल से मुलाकात की और कहा, 'राज्यपाल संविधान के रक्षक हैं और उन्होंने कहा कि वह भारत के संविधान की रक्षा के लिए सबसे अच्छा काम करेंगी।' राज्यपाल को प्रस्तुत पत्र में, विधायकों ने विधानसभा सत्र की व्याख्या की और कहा, 'बजट सत्र की शुरुआत ही स्थापित मानदंडों और प्रथाओं के उल्लंघन में थी क्योंकि अजीब तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए राज्यपाल के प्रथागत पते को छोड़ दिया गया था।'

कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई का बयान, कहा- गोलीबारी रूकते ही यूक्रेन से भारत लाया जाएगा नवीन का शव

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के आज 13 दिन हो गए है। दोनों देशों के बीच लगातार हमले जारी हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करने

के लिए दूसरे देश भी तैयार हैं। इसके बावजूद रूस और यूक्रेन के बीच हालात सुधर नहीं रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के एक्जिट पोल सामने आ गए हैं। उत्तर प्रदेश में सातवें और आखिरी चरण के लिए मतदान संपन्न होते ही पांच राज्यों को लेकर आए एक्जिट पोल में भाजपा को बड़ा फायदा दिख रहा है। एक्जिट पोल के मुताबिक दूसरी बार भाजपा को सत्ता मिल सकती है। वहीं पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में आ सकती है। उत्तराखंड में भाजपा-कांग्रेस में कांटे की टक्कर होती दिख रही है। हालांकि अनुमान है कि भाजपा सरकार बचा लेगी। गोवा में ज्यादातर एक्जिट पोल त्रिशंकु नतीजों का अनुमान लगा रहे हैं और मणिपुर में भाजपा कांग्रेस से आगे खड़ी दिख रही है।

नतीजों से पहले वीवीपैट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका, कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आ रहे है। नतीजों से पहले वोटर वेरिफिएबल पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) को लेकर दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सहमति दी है। याचिका में

इवीएम वोटों की गिनती शुरू होते ही वीवीपैट के सत्यापन की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले को लेकर 9 मार्च को सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि मतगणना के आखिरी के बजाय इवीएम वोटों की गिनती की शुरुआत में ही वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी भी की। कोर्ट ने कहा, 'हमने चुनाव आयोग को इसकी जानकारी दे दी है। देखते हैं, इसमें क्या किया जा सकता है। गौरतलब है कि देश में पांच राज्यों यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके है। यूपी में 10, 14, 20, 23, 27 फरवरी और तीन और सात मार्च को सात चरणों में चुनाव हुआ था। उत्तराखंड और गोवा में एक ही चरण में 14 फरवरी को मतदान हो चुका है। पंजाब में 20 फरवरी को मतदान हुआ था। वहीं, मणिपुर में दो चरणों 28 फरवरी और पांच मार्च को मतदान हुआ था। इन सभी राज्यों में वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी। इवीएम मशीन के साथ ही होती है। इवीएम में वोट डालने के बाद वीवीपैट मशीन से एक पर्ची निकलती है। इस पर्ची में जानकारी होती है कि आपने किस पार्टी या उम्मीदवार को अपना वोट दिया है। वीवीपैट पर्ची से इस बात की पुष्टि हो जाती है कि आपका वोट किसे गया है। वीवीपैट की पर्ची में उम्मीदवार का नाम और उसका चुनाव चिह्न छपा होता है। इसकी पर्ची मतदाता को नहीं दी जाती है।

रूस और यूक्रेन जंग में अमेरिका ने भारत को मुश्किल में डाला, जानें मोदी सरकार के समक्ष क्या है बड़ी चुनौती .....

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन जंग से उपजे हालात के बाद भारत की स्थिति उहापोह की बन गई है। भारतीय विदेश नीति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। दरअसल, रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद मास्को और अमेरिका के बीच सामंजस्य बनाए रखना भारतीय विदेश नीति के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। आइए जानते हैं कि भारतीय विदेश नीति के समक्ष यह चुनौती क्यों है। आखिर रूस और यूक्रेन जंग से भारत का क्या लेना देना है। रूस और अमेरिका भारत के लिए क्यों अहम हैं। इन सब मामलों में विशेषज्ञों की क्या राय है। 1- प्रो हर्ष वी पंत रूस और यूक्रेन जंग में भारत के स्टैंड को जायज मानते हैं। उनका कहना है कि अभी तक भारत सरकार रूस और अमेरिका के साथ संबंधों में संतुलन बनाने में सफल रहा है। हालांकि, पंत का कहना है कि भारत के समक्ष दोनों देशों के साथ संतुलन बनाए रखने की चुनौती अभी भी बरकरार है।

उनका मानना है कि आने वाले समय में यह चुनौती और बढ़ेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत किस रणनीति के साथ आगे अपने संबंधों का निर्वाह करता है। 2- प्रो पंत का कहना है कि रूस यूक्रेन जंग में अमेरिका ने जिस तरह से भारत पर दबाव बनाया है, उससे नई दिल्ली की चुनौती और बढ़ गई है। बता दें कि बाइडन प्रशासन ने भारत पर रूस के खिलाफ अपनी स्थिति को स्पष्ट करने के लिए दबाव बनाया है। गुरुवार को क्वाड देशों की बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह कहा था कि रूस के यूक्रेन पर हमले को लेकर कोई बहाना या टालमटोल नहीं चलेगा। बाइडन प्रशासन का यह इशारा कहीं न कहीं भारत के लिए भी था, क्योंकि क्वाड देशों में जापान और आस्ट्रेलिया खुलकर रूस की निंदा कर रहे हैं। दोनों देश इस मामले में अमेरिका के साथ खड़े हैं। 3- उन्होंने कहा कि अमेरिकी सीनेट में भारत के रुख पर चर्चा होना एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने भले ही मतदान में हिस्सा नहीं लिया हो, लेकिन उसने युद्ध को किसी भी रूप में जायज नहीं ठहराया।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भूपेंद्र यादव ने आयुष किट के वितरण कार्यक्रम में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। आज दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। देश में इस मौके पर जगह-जगह महिला सम्मान का कार्यक्रम चल रहा है। वहीं इस बीच, आजादी का अमृत महोत्सव और महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एक साथ, एक मंच पर नजर आए। उन्होंने महिला ईट भट्ठा श्रमिकों एवं बीड़ी कामगारों के स्वास्थ्य व पोषण की जांच एक साथ हेल्थ सप्लीमेंट तथा आयुष किट के वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला दिवस पर कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यहां मौजूद सभी महिलाओं की तरफ से सभी पुरुषों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं, मोदी सरकार का संस्कार है कि जो महिला अपनों के लिए जीतीं है अपने लिए नहीं, उनके सहयोग में ये सरकार रहती है।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय

महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर ट्वीट कर कहा, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत शुरु किए गए, परिवार के सदस्यों को संवेदनशील बनाने के लिए विशेष जागरुकता अभियान चलाए जाएंगे। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को परामर्श देने और स्कूल न जाने वाली किशोरियों को रेफर करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।' उन्होंने कहा, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय 4 लाख से अधिक लड़कियों को स्कूल वापस लाने के अपने संकल्प को निश्चित रुप से पूरा करेगा।' केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने देशवासियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी, उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'साहस, करुणा, प्रतिबद्धता, ये सब और बहुत कुछ के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर , उन सभी महिलाओं को मेरी शुभकामनाएं जो हर दिन प्रयास करती हैं और आगे बढ़ती हैं। आइए महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का उत्सव बनें। महिला दिवस की शुभकामनाएं

पंजाब में तो यूपी और मणिपुर में भाजपा निकल रही आगे, जानें उत्तराखंड और गोवा में किसकी बन सकती है सरकार

नई दिल्ली। विभिन्न एजेंसियों की ओर से सोमवार को पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के एक्जिट पोल के अनुमान जारी किए गए। भले ही विधानसभा चुनावों की मतगणना 10 मार्च को होगी और असल नतीजे सामने आएंगे लेकिन किस राज्य में किसकी सरकार बन सकती है एक्जिट पोल से एक धुंधली तस्वीर सामने आती है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की जबकि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने का अनुमान है। उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में किन दलों की सरकार बन सकती है। जानें क्या कहते है एक्जिट पोल के अनुमान यूपी में भाजपा की सरकार बन सकती है। टाइम्स नाऊ के एक्जिट पोल के मुताबिक यूपी में भाजपा को 225, सपा को 151, बसपा को 14 और कांग्रेस को नौ जबकि अन्य को चार सीटें मिल सकती हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया के एक्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 288-326, सपा को 71-101, बसपा को 03-09, कांग्रेस को 01-03 जबकि अन्य को 02-03 सीटें मिल सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 29 महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली। हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर देश-दुनिया में महिलाओं की उपलब्धियों का जशन मनाया जाता है, आज के इस अवसर पर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में उन महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार दिया, जिन्होंने महिलाएं सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक सहित अन्य क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है। आपको बता दे कि नारी शक्ति पुरस्कार 2022 भारत सरकार की एक पहल है, जिसके तहत महिलाओं को भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाता है अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय और उत्कृष्ट काम करने वाली 29 महिलाओं को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति ने इन महिलाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया राष्ट्रपति कोविंद ने ग्रामीण और वंचित महिलाओं को सशक्त बनाने में उनके योगदान के लिए अनीता गुप्ता को नारी शक्ति पुरस्कार प्रदान किया। अनीता गुप्ता भोजपुर, बिहार की एक सामाजिक उद्यमी (एंटरप्रेन्योर) हैं, जिन्होंने 50 हजार से अधिक वंचित ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न कौशलों में प्रशिक्षित किया है।

रोमानिया के रास्ते भारत लौटे यूक्रेन में फंसे 200 छात्र

नई दिल्ली। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र छात्राओं को लेकर एक विशेष विमान रोमानिया के रास्ते मंगलवार सुबह दिल्ली पहुंची। इसमें

वतन वापस आई एक छात्रा ने बताया, 'दूतावास की एडवाइजरी आने के बाद हम खारकीव से निकले और पिसोचिन तक 25 किलोमीटर का सफर पैदल तय किया।' बता दें कि 24 फरवरी से रूस के हमले यूक्रेन में जारी है जिससे अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने का जिम्मा भारत सरकार ने लिया और इसके लिए आपरेशन गंगा मिशन की शुरुआत की।युद्धग्रस्त यूक्रेन से भारतीयों को निकालने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके लिए हंगरी स्थित भारतीय दूतावास ने बुडापेस्ट में एक कंट्रोल रूम बनाया है। इसकी कमान भारतीय विदेश सेवा (आइएफएस) के 30 युवा अधिकारियों के हाथों में है। बुडापेस्ट में होटल के एक छोटे कमरे में स्थापित इस कंट्रोल रूम से आइएफएस अफसर लगभग 150 से ज्यादा स्वयंसेवक और टेक्निकल टीम के साथ दिन रात काम कर रहे हैं। युवा अधिकारियों में कई ऐसे हैं जिन्हें दूसरे देशों में स्थित भारतीय दूतावासों से बुलाया गया है। ऐसे ही एक अधिकारी हैं राजीव बोडवाडे, जो इजरायल में भारतीय दूतावास में डिप्टी चीफ हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्ध से प्रभावित यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वहां से निकालने के लिए चलाए जा रहे 'आपरेशन गंगा' की सफलता का श्रेय रविवार को वैश्विक पटल पर भारत के बढ़ते प्रभाव को दिया।

35 हज़ार दर्शकों ने आज़ाद पार्क में देखी फूल प्रदर्शना आज हुआ समापन, बांटे गए पुरस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। मंडलीय फल, शाक सब्जी और पुष्प प्रदर्शनी के तीसरे दिन सोमवार को शहर का

हर तबका आजाद पार्क पहुंचा। उद्यान विभाग की ओर से लगाई गई तीन दिवसीय प्रदर्शनी में फूलों के विविध रंग और रेंज देखकर दर्शक विमुग्ध और विस्मित होते रहे। बारहमासा के साथ मौसमी फूलों की बहार से सब्जियां भी खुद को बेहतर रूप में प्रदर्शित करती रहीं। तरतीब से सजे जेरेनियम, फ्लाक्स, बरवीना और डहेलिया जैसे फूलों से देखने वालों की नजरें नहीं हटती थीं। जिधर देखो, उधर ही अलग मिजाज और अहसास के फूल दिखाई दे रहे थे। प्रदर्शनी देखने करीब 35 हजार लोग आजाद पार्क पहुंचे। लग रहा था मानो आजाद पार्क में फूलों का संसार ही खिल उठा हो आज समापन हुआ और प्रतिभागियों को बांटे गए पुरस्कार।

फूलपुर के अभिनव यूक्रेन से वतन वापसी से खुशी के आंसू छलके

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। यूक्रेन में हो रही है जबर्दस्त बमबारी के बीच खतरा झेलते हुए फूलपुर के अभिनव पुत्र

सुनील कुमार निवासी मोहल्ला इस्माइल गंज कस्बा फूलपुर की सकुशल घर वापसी की सूचना पर थाना अध्यक्ष फूलपुर अमित कुमार राय एवं चौकी इंचार्ज विनय द्विवेदी अभिनव के घर पहुंचे और कुशल क्षेम पूछने के बाद घर सकुशल वापसी हेतु बधाई दी। इस बीच अभिनव ने थाना अध्यक्ष से वहां की बातें साझा करते हुए आपबीती बताई। जिस पर अधिकारीगण भावुक हो उठे। अभिनव के माता पिता अपने होनहार लाल को पाकर खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं।

सरकारी योजनाओं हेतु लाभार्थी आधार को बैंक खाते से जोडें

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु लाभार्थी अपने आधार को बैंक खाते से जुड़वाने का कार्य करें। उन्होंने बताया कि जनपद के जो भी लाभार्थी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, व्यक्तिगत शादी अनुदान योजना, सामूहिक विवाह योजना, अत्याचार उत्पीड़न योजना, सामान्य वर्ग छात्रवृत्ति योजना व अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ ले रहे है या प्राप्त करना चाहते है वे बैंकों में अपने खाते का आधार फीडिंग करा लें तथा आधार प्रमाणीकरण 30 मार्च 2022 तक स्वयं या सहज जन सेवा केन्द्रों के माध्यम से करा लें अन्यथा की स्थिति में योजनाओं का लाभ दिया जाना सम्भव नही होगा।

सुरक्षा प्राप्त जनप्रतिनिधि नहीं बन सकेगा मतगणना अभिकर्ता- जिला निर्वाचन अधिकारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 की मतगणना को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि कोई भी सुरक्षा प्राप्त जनप्रतिनिधि मतगणना अभिकर्ता नहीं बन सकेगा। उन्होंने बताया कि हाल में अनुमन्य वीडियो रिकार्डिंग के अतिरिक्त कोई भी फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी नहीं की जा सकेगी। आयोग द्वारा अनुमन्य पासधारक मीडिया कर्मियों द्वारा मतगणना हाल में मतगणना प्रक्रिया की फोटोग्राफी कैमरे से की जा सकेगी। मतगणना स्थल पर बने मीडिया सेन्टर तक पासधारक मीडिया बन्धुओं हेतु मोबाईल फोन अनुमन्य रहेगा और मोबाईल फोन का प्रयोग मीडिया सेन्टर के अलावा कहीं भी नही किया जा सकेगा। मीडिया सेन्टर में ही मीडिया बन्धुओं के फोन रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी। मतगणना स्थल पर प्रत्याशी, मतगणना अभिकर्ता एवं मतगणना कार्मिक मोबाईल फोन नही ले जा सकेगें। इसके अलावा मतगणना परिसर में किसी भी प्रकार का धूम्रपान एवं ज्वलनशील पदार्थ नही ले जा सकेगे। इसकी जांच के लिये गेट पर त्रिस्तरीय चेकिंग की व्यवस्था करायी गयी है। कोई भी सुरक्षा प्राप्त जनप्रतिनिधि मतगणना अभिकर्ता नही बन सकता है। जिलाधिकारी ने बताया है कि प्रत्येक राउण्ड पूर्ण होने पर आयोग के नियमो के अनुसार उसकी जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी।

जिलाधिकारी ने मतगणना स्थल का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन बंसल ने महुली मण्डी में बने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभी तक तैयारियों पूर्ण न किये जाने पर अधिशासी अभियन्ता पीडब्लुडी को सचेत किया और निर्देशित किया कि दिनांक 08 मार्च तक तक सभी तैयारियां बैरीकेटिंग, साउण्ड सिस्टम एवं अन्य व्यवस्थायें पूर्ण कर ली जाये। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) से कहा कि मतगणना हाल में विधानसभावार जाने वाले कार्मिकों का एक मतगणना प्लान बना लिया जाये और उसे गेट पर ही चस्पा कर दिया जाये ताकि मतगणना कार्मिक आसानी से अपनी विधानसभाओं में मतगणना कार्य हेतु पहुॅच सके। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी सुरेन्द्र प्रताप सिंह को निर्देशित किया कि निर्धारित स्थान पर सुरक्षा हेतु बैरीकेटिंग का स्थान सुनिश्चित करके सभी निर्धारित स्थलों पर मजिस्टेटों की तैनाती की जाय।

फूलपुर कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आज

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली फूलपुर में होली त्यौहार के मदेनजर पीस कमेटी की बैठक आज मंगलवार दोपहर को कोतवाली प्रांगण में रखी गई है। जिसमें उपजिलाधिकारी फूलपुर अम्बरीश कुमार बिंद, क्षेत्राधिकारी फूलपुर राम सागर भी उपस्थित रहेंगे। जहां कहीं भी होलिका दहन या होली त्यौहार मनाने में कोई दिक्कत हो मीटिंग में पधार कर अपनी समस्याएं रखें। उक्त सूचना थाना प्रभारी अमित राय तथा वरिष्ठ उपनिरीक्षक मजीद खान द्वारा प्राप्त हुई।

जिला जज ने लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। 12 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक

सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय ने जनपद न्यायालय परिसर में वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। वाहन के माध्यम से पम्पलेट, बैनर, स्टीकर द्वारा जन जन को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूक किया जायेगा जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मुकदमों को निस्तारित कराया जा सके। कार्यक्रम का संयोजन सिविल जज सी0डि0/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिला जज/नोडल अधिकारी लोक अदालत आलोक द्विवेदी, अपर जिला जज पंकज कुमार श्रीवास्तव, मोनिका ठाकुर, कुन्दन किशोर, महेश कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनोज कुमार द्वितीय सहित सभी न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को लगाई फटकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 2022 के सफल संचालन हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक की गयी। बैठक में नोडल अधिकारी डॉ0आर0पी0गिरि द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान 11, 12 मार्च को कृमि मुक्ति दिवस एवं 14 से 19 मार्च के मध्य इसका मॉपअप राउण्ड किया जाना है। इसके अन्तर्गत 01 से 05 वर्ष तक के सभी पंजीकृत बच्चों एवं 06 से 19 वर्ष तक के स्कूल न जाने वाले सभी बालक/बालिकायें, ईंट भट्ठों पर कार्य करने वाले श्रमिक एवं घुमन्तू लाभार्थियों को आंगनबाड़ी केन्द्र पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री के माध्यम से कृमि नाशक दवा एल्बेंण्डाजॉल पिलायी जानी है। इसके अतिरिक्त 06 से 19 वर्ष तक के सभी छात्र/छात्राओं को सरकारी, सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों, मदरसों में शिक्षकों के माध्यम से दवा पिलायी जानी है। बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम सम्पादित करने हेतु कोई ठोस कार्ययोजना न प्रस्तुत के पूर्व कार्यक्रम के संचालन के सम्बन्ध में कोई तैयारी नही गयी है, मात्र खानापूर्ति का प्रयास किया जा रहा है। उन्हों ने मुख्य

किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और नोडल अधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुये निर्देशित किया कि बैठक बुलाने चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के सम्बन्ध में अपने स्तर से पूरी तैयारी कर कार्ययोजना प्रस्तुत करें ताकि योजना का आम जनता तक लाभ पहुॅचाया जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये शिक्षा विभाग एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है किन्तु उनके जिला स्तरीय अधिकारी अनुपस्थित है जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के अनुपस्थित रहने के कारण नाराजगी व्यक्त की तथा उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने निर्देश दिया। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से जिला अस्पताल की अव्यवस्था एवं शिकायतों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, शिकायतों के सम्बन्ध में उनके द्वारा समय से सुधार न लाने पर नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी निर्गत करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, डीपीएम राजशेखर सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

एनेस्थैटिक डॉ0 नीलम सिंह ने बताया कोरोनाकाल में कैसा रहा उनका सफर

प्रयागराज। 7 मार्च 2022: कोरोना संक्रमित मरीज की स्थिति गंभीर हो जाने पर उसके जीवन को बचाने की सबसे अहम ज़िम्मेदारी एनेस्थेसिया विभाग के चिकित्सकों की हो जाती है। एनेस्थैटिक को कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज के दौरान संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। क्योंकि वह मरीज के मुह के सीधे संपर्क में रहता है। आज अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम जनपद के स्वरूरनी रानी नेहरू अस्पताल में कार्यरत कोरोना योद्धा एनेस्थैटिक डॉनीलम सिंह (आईसीयू इंचार्ज, ऑक्सीज़न इंचार्ज, क्रिटिकल केयर, प्रोफेसर) की उपलब्धियों के साथ ही कोरोनाकाल में कैसा रहा उनका सफर जानेंगे। जिन्होने कोरोनाकाल में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हजारों लोगों को बचाया।

आइसीयू व एचडीयू वार्ड में भर्ती गंभीर करीब 5 हज़ार से ऊपर कोरोना पॉज़िटिव मरीजों का इलाज किया व करीब 160 कोरोना पॉज़िटिव गर्भवती महिलाओं को एनेस्थेसिया देकर सुरक्षित एवं सफल प्रसव कराया है। एनेस्थैटिक डॉनीलम सिंह ने बताया कि 'जिम्मेदारियाँ बड़ी थीं, 12 से 15 घंटे लगातार पीपीई किट पहनकर काम किया। मरीज का परिवार से दूर होने के कारण निराशा उन्हें ना घेरे इसके लिए मानसिक तौर पर हमेशा उन्हें साहस दिया। कोविड वार्ड में मरीजों को दवा व उनके भोजन से लेकर ऑक्सीज़न लेवल सेचुरेशन आदि सभी का हमने ख्याल रखा। ऑक्सीज़न इंचार्ज होने के नाते ऑक्सीज़न गैस कि समुचित व्यवस्था की ज़िम्मेदारी भी मुझपर रही। संक्रमण के कारण कई बार सांस फूलने की स्थिति में मरीज अपने मुह पर लगे वाइ-पैप मास्क हटा दिया करते थे इसलिए ऐसे मरीजों को पकड़कर घंटों बैठना भी पड़ा है। कोई मरीज जब ठीक होकर जाता तो उनके भावुख होने पर आँखें हमारी भी खुशियों से भर आती थीं। बहुत ख्याल व प्रयास के बाद भी हम कुछ लोगों को नहीं बचा पाए इसका दुख अभी भी परेशान करता है।' इसलिए इस विभाग की रही अहम भूमिका उन्होने बताया कि एनेस्थैटिक चिकित्सक को लोग बस एनेस्थीसिया विशेषज्ञ जानते है बल्कि वेंटिलेटर के संचालन का एनेस्थैटिक ही विशेषज्ञ होता हैं। इसलिए कोरोनाकाल में वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों कि देखभाल के लिए एनेस्थेटिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। वेंटिलेटर पर भर्ती मरीज ज़िदगी से जंग अकेले नहीं लड़ता बल्कि उसके साथ एनेस्थैटिक अपने अनुभवों की पूरी ताकत झोंक देता है। मरीज जब तक ऑक्सीज़न मास्क व वाइपेप मास्क तक सीमित रहता है तब तक स्थितियाँ पूरी तरह से काबू में रहती हैं। पर जब वह वेंटिलेटर पर जाता है तो उसकी हालत बेहद नाजुक हो चुकी होती है। हमने वेंटिलेटर पर गए पंद्रह मरीजों को स्वस्थ करके उनके घर भेजा है। एनेस्थैटिक चिकित्सकों को ज़्यादातर लोग बस एनेस्थीसिया विशेषज्ञ जानते हैं बल्कि वेंटिलेटर के संचालन का एनेस्थैटिक ही विशेषज्ञ होता हैं। इसलिए कोरोनाकाल में वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों कि देखभाल के लिए एनेस्थेटिक की महत्वपूर्ण भूमिका है।'

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

सीएमओ ने पीएचसी हरहुआ व सीएचसी पुआरी कला का किया औचक निरीक्षण।

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यस

हरहुआ/ वाराणसी।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ व सीएचसी पुआरी कला का सोमवार को सुबह लगभग दस बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी वाराणसी डॉ0 संदीप चौधरी व डॉ0ए0के0 मौर्य द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। जहां कुछ कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए । पीएचसी प्रभारी डॉ0 आर0 के0 सिंह द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी वाराणसी को अवगत कराया गया कि कुछ स्टाफ जिनकी ड्यूटी फील्ड व पोलिंग स्टेशन पर लगया है वह सात बजे से वहां ड्यूटी कर रहे हैं। वहीं पीएचसी के उपस्थिति पंजिका में हिमांशु चौरसिया, सच्चिदानंद, मदन कुमार ,विवेक कुमार, रोज मैरी बौथा ,डॉ0 मनु चतुर्वेदी डॉ0 अब्दुल जावेद अनुपस्थित रहे। जिनसे स्पष्टीकरण कार्यालय में लिखित जमा करने के लिए कहा गया।वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुआरी कला का भी निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया। जिसमें अधीक्षक डॉ0 मोइजुद्दीन हाशमी सहित दो चिकित्सा

अधिकारी डॉ0 प्रतिभा सिंह ,डॉ0ईशा अनुपस्थित मिले। और फार्मासिस्ट अरविंद सिंह को अपने रजिस्टर के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया।सीएमओ वाराणसी ने औचक निरीक्षण में आवश्यक सेवा में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए बताया कि इस बाबत जबकि दो चिट्ठियां देकर पूर्व में ही अवगत करा दिया गया था। कि कोई भी कर्मचारी को छुट्टी नहीं मिलेगी और समय से ड्यूटी कार्य मे रहेंगे। पीएचसी प्रभारी हरहुआ को निर्देशित किया कि तत्काल अनुपस्थित कमिर्यों से स्पष्टीकरण लेकर अवगत कराएं।

कौशल विकास मिशन के छात्राओ ने धूमधाम से मनाया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नैनी, प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वृन्दावन शिक्षा एवं सेवा संस्थान व देवा एजुकेशन एंड वेलफेयर फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में बागबना में स्थित उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रांगण में महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें छात्राओ के साथ ही साथ ट्रेनर व समस्त स्टाप ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वन्दना के बाद हुई, जिसमें छात्राओं ने पुरे प्रांगण में फूल और अबीर से रंगोली बनाई, वही स्वागत गीत गाकर कार्यक्रम के अतिथि श्री कृष्णा बाबा इंटर कॉलेज के प्रबंधक सुनील प्रताप सिंह व केंद्र संचालक देवा श्रीवास्तव का स्वागत किया। वही कार्यक्रम का संचालन सन्हा पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूनम द्विवेदी, पूजा द्विवेदी, गीता, संगीता तिवारी, अलकमा बनो सहित समस्त स्टाप उपस्थित रहा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन बाग़बना केंद्र के केंद्र संचालक देवा श्रीवास्तव ने कहा कि विश्व में लगातार महिलाओ का सम्मान बढ़ता जा रहा है, हर एक क्षेत्र में महिलाएं बढ़-चढ़ कर हिस्सा

ले रही है, आज मातृशक्ति अपनी शक्तियों को पहचानने लगी है। मातृशक्ति के बिना पूरी दुनिया अधूरी है, मातृशक्ति की वजह से सम्पूर्ण विश्व में विकास की लहर है। इस समय अंधेरे में रोशनी देने का कार्य कर रही है आधी आबादी। कार्यक्रम के दौरान रंगोली बनाने एवं अपने वक्तव्य से लोगो को जागरूक करने वाली छात्रा भानुमति, सोनम, करीना, कविता, रुचि, संध्या वर्मा, संजना पटेल, रीना, पिंकी, शालिनी, पूजा, कुमकुम, रीता, वर्षा, वन्दना, शिखा सहित तमाम लोगी को संस्थान द्वारा पुरस्कृत किया गया।

लोकतंत्र निर्माण में भागीदारी बन मतदान करने पर मिला खुशी विवेक यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यस

हरहुआ/ वाराणसी। अजगरा विधानसभा के लोकतंत्र के महापर्व में शामिल होकर पहली बार सरकार का निर्माण में भागीदारी निभाने हेतु मतदान करने का अवसर मिला मन में काफी खुशी है पर्ची व कार्ड लेकर सबसे पहले बूथ पर पहुंचा ईवीएम मशीन का बटन दबा मतदान करने के बाद ही घर आकर जलपान किया। स्वजनों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। उक्त बातें हरहुआ के कोईराजपुर निवासी बी टेक का छात्र एवं पहली बार मतदान बना अजगरा विधानसभा कि कोई राजपुर बूथ पर मतदान करने पहुंचा ।विवेक यादव ने लोगों को जागरूक किया और बोला बहुत ही अच्छा लगा। छात्र विवेक यादव वाराणसी के सीट कॉलेज से पॉलिटेकिन्क के बाद इस समय बीके फोर्थ सेमेस्टर में अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही पार्ट टाइम वाराणसी

के एक लिमिटेड कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्य कर रहे हैं।

केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवानों ने संभाली चुनावी मतदान कि सुरक्षा व कमान

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यस

हरहुआ/ वाराणसी। उत्तर प्रदेश में 18 वीं विधान सभा के गठन के लिए सातवें एवं अंतिम चरण के चुनाव में चिलचिलाती धूप में वोटिंग के दौरान मतदाताओं में काफी उत्सुकता देखने को मिली। मामूली बाद विवाद के बाद मतदान को लेकर कई बूथों पर झड़पे भी हुई। ग्रामीण क्षेत्र के बूथों पर केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों ने सुरक्षा की कमान संभाल रखी थी। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में राजेंद्र सिंह हमेशा चक्रमण करते रहे।हरहुआ काशी कृषक इंटर कॉलेज एसपी ग्रामीण कार्यालय पर बने पांच बूंद पर ग्रामीणों ने हर्ष उल्लास के साथ किया मतदान वहीं ग्रामीण क्षेत्र के युवा व युक्तियों में दिखा जमकर वोटिंग का माहौल हर वर्ष की भांति इस वर्ष जागरूक होकर ग्रामीण व शहरी लोगों ने किया मतदान वहीं रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के देहली विनायक के बूथ संख्या 9 व 10 पर सुबह 20 मिनट बिलंब से मतदान शुरू

होने से पीठासीन अधिकारी और ग्रामीणों में जमकर झड़प भी हुई।इसी तरीके से जगापट्टी के बूथ संख्या 05 पर मतदान धीमी गति से चलने के कारण महिलाओं की लंबी कतारें साईं काल 4 बजे तक लगा रहा। मतदान में तेजी लाने के लिए ग्रामीणों ने बूथ पर शोर गुल शुरू कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने मतदान कर्मी से गति बढ़ाने का निर्देश दिया जिसके बाद मतदाता शांत हो गये।रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के चकपतेर में बूथ संख्या 8 पर ग्रामीणों ने चिलचिलाती धूप का बहाना बनाकर दर्जनों वोटर मतदान का बहिष्कार कर वापस घर लौट गये। वहीं अति संवेदनशील व संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था रही। सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के बेसहुपुर बूथ संख्या 117,118,119 अति संवेदनशील मतदान केंद्र है।जहां पर सेक्टर मजिस्ट्रेट व थानाध्यक्ष जंसा प्रेम नारायण विश्वकर्मा के नेतृत्व में सशस्त्र आरक्षियो के साथ सुरक्षा की कमान संभाल रखी थी। बता दें कि बेसहूपुर ग्राम पंचायत पिछले वर्ष हुए पंचायत, विधानसभा व लोकसभा के चुनाव में काफी चर्चा में रहा है। जिसके कारण इस बूथ को अतिसंवेदनशील की श्रेणी में रखा गया था।

जनपद के 37,670 जरूरमंदों की हुई अपनी छत

आजमगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में जिले के

37,670 जरूरतमंदों का आवास पूर्ण हो चुका है। अपनी छत हो जाने के बाद अब लाभार्थियों के स्वजन का रहन-सहन ही बदल गया है। उन्हें अब बारिश में मड़ई या टीनशेड टपकने की चिंता नहीं है। रात को चैन की नींद सो रहे हैं। योजना के तहत कुल 48,736 आवास स्वीकृत हुए हैं। शेष 11,060 आवासों का निर्माण प्रगति पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का पहला फेज अप्रैल 2015 से लेकर मार्च 2017 तक चला। जबकि दूसरा फेज अप्रैल 2017 से लेकर मार्च 2019 तक चलाया गया। वर्तमान में इस योजना का तीसरा फेज कार्यरत है। यह तीसरा फेज अप्रैल 2019 से लेकर मार्च 2022 तक कार्यरत रहेगा। सरकार का लक्ष्य है कि इस तीसरे फेज में सभी गरीब परिवारों को स्वयं का पक्का मकान उपलब्ध करवाना है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से चकनाचूर हो रहा आशियाना का सपना

आजमगढ़ । रूस और यूक्रेन युद्ध से आशियाना बनाने वालों का सपना चकनाचूर कर रहा है। संघर्ष के कारण दोनों ही देशों से मंगाए जाने वाले कच्चे माल की आपूर्ति

श्रृंखला बाधित होने से कीमतों में 30 फीसद उछाल है। 6700 रुपये क्विंटल बिकने वाली सरिया 8200 रुपये तक पहुंच गई। कारोबारियों का कहना है कि मूल्य वृद्धि के कारण उत्पादन प्रभावित होने से माल की आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी है। हालात में सुधार न हुआ तो मुश्किलें और गहराएंगी। मांग एवं डिमांड में खाई बढ़ने के कारण बिक्री पर कोई असर नहीं पड़ा है। कारोबारी भविष्य की मुश्किलों को देख सरिया का स्टाक करना चाहे तो बाजार में माल की कमी पड़ गई। ऐसी आशंका जताई जा रही कि सरिया के दाम और आसमान की ओर बढ़ेंगे। मातबरगंज के सीमेंट व्यवसायी राजेश जायसवाल ने बताया कि रुस व यूक्रेन युद्ध पर विराम लगने के बाद भी कीमतें जल्दी कम नहीं होने वाली हैं। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 50 से अधिक थोक विक्रेता हैं। एक दुकान पर प्रतिदिन सात से दस लाख रुपये तक का कारोबार होता है। ऐसे में पांच करोड़ रुपये से अधिक का व्यवसाय होता है। रुस व यूक्रेन के युद्ध का असर पड़ा है। पंद्रह दिनों में सरिया का रेट 30 फीसद तक चढ़ चुका है। कच्चे माल की कमी व कोयला की महंगाई दुश्वारियों की जड़ में है। नामचीन कंपनियों के उत्पाद तो महंगाई के कारण सामान्य लोगों की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं।

मयंक जोशी के सामाजवादी पार्टी में शामिल होने पर क्या बोली-प्रो, रीता बहुगुणा जोशी

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी

मेजा,प्रयागराज। प्रयागराज की भाजपा सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी के मीडिया प्रभारी अभिषेक

शुक्ला ने बताया कि सांसद त्रिपुरा में आयोजित संसदीय भाषा उप-समिति बैठक में भाग लेने गई हैं। उन्होंने कहा कि बेटे बैंक ने सफा क्यों ज्वाइन की उस बारे में मैं भी कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। मेरा स्टैंड पहले से ही क्लियर है। मैं भाजपा में हूं और भाजपा में ही रहूंगी। बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण के मतदान से पहले शनिवार को भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। यह एलान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में किया। इस दौरान उन्होंने मयंक का मंच पर स्वागत किया और धन्यवाद दिया।सपा प्रत्याशी के समर्थन में गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के भगत पट्टी में शनिवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा का आयोजन किया गया था। जनसभा में भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी भी शामिल रहे। इस दौरान अखिलेश यादव ने उनके सपा में शामिल होने की घोषणा की।

सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का अस्थि कलश वाराणसी में गंगा में वैदिक रीति रिवाजों के साथ विसर्जित

वाराणसी। सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का अस्थि - कलश का विसर्जन वाराणसी में गंगा तट स्थित अहिल्याबाई घाट पर किया गया।

इस दौरान लता मंगेशकर के करीबी और परिवार के लोग भी अस्थि कलश विसर्जन के दौरान घाट पर मौजूद रहे और वैदिक रीति रिवाज और परंपराओं के मुताबिक गंगा में अस्थि कलश विसर्जित किया। बीते माह छह फरवरी को लता मंगेशकर का मुंबई में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनका निधन होने के बाद उनकी चिता से अस्थियों का संकलन कर वाराणसी में गंगा घाट पर ले जाकर विसर्जन की जानकारी पूर्व में ही परिवार की ओर से दी गई थी। इस बाबत सुर साम्राज्ञी के निधन के एक माह के बाद आखिरकार उनकी अस्थियों को मोक्ष नगरी काशी में गंगा तट पर ले जाकर विसर्जन की तैयारियां शुरू हुईं।अहिल्याबाई घाट पर अस्थियों के विसर्जन की तैयारियां शुरू हुईं। घाट पर श्रीकांत पाठक के आचार्यत्व में पूरे वैदिक परंपराओं के अनुरूप लता मंगेशकर की अस्थियों के कलश का पूजन कर उनको रीति रिवाजों के अनुरूप गंगा में विसर्जित किया गया। इस दौरान लता मंगेशकर के परिवार से उनकी बहन उषा मंगेशकर अस्थिकलश को लेकर वाराणसी आई थीं।

होली तथा चुनावी परिणामों पर सौहार्द बनाए रखें : राम सागर

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली फूलपुर प्रांगण में मंगलवार को होली त्यौहार तथा चुनावी परिणामों के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक सीओ राम सागर की अध्यक्षता में संपनन्हुई। इस अवसर पर सीओ राम सागर

ने कहा। कि पहले तो चुनावी परिणाम आ रहे हैं। जिस प्रकार फूलपुर के लोगों ने चुनाव में धैर्य तथा भाईचारे का परिचय दिया है। उसी प्रकार सामने आ रहे परिणामों को सहर्ष स्वीकार करें। किसी भी प्रकार की अप्रिय बातें ना हो। उसी प्रकार 17-18 मार्च में पड़ रहे होली त्यौहार पर अमन, दोस्ताना, भाईचारे और एक दूसरे को अमन का पैगाम दे। क्योंकि इसी दरम्यान शबरात का त्यौहार है। जिस पर लोग रात भर जाग कर इबादत करते हैं। पूर्वजों की कब्रों पर रोशनी के साथ फातेहा पढ़ने जाते हैं। थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने भी उपस्थित प्रधान गण तथा संभ्रांत लोगों से चुनावी त्योहारों की भांति दोनों पारंपरिक त्यौहारों को सकुशल संपनन् कराने में सहयोग मांगा। विद्युत विभाग के एसडीओ प्रांजल मिश्र ने होलिका दहन में विद्युत तार व केबिलों को ध्यान में रखकर होलीका दहन करने की अपील की। साथ ही सहयोग हेतु जेई व लाइनमैन से संपर्क बनाने की अपील की। समाजसेवी महमूद भाई ने उपस्थित लोगों से सौहार्द बनाने हेतु मन बनाने की नजीर पेश की। कहां कि सौहार्द बनाने से बनता है। बिगाड़ने से बिगड़ता है। फूलपुर की गंगा जमुनी तहजीब को बनाए रखने की सीख दी। फूलपुर के मशहूर शायर मखदूम फूलपुरी ने अपनी शायरी में लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। ठआइए ऐसे चरागों को जलाया जाए जिससे नफरत के अंधेरो को मिटाया जाएठ होली त्यौहार मोहब्बत से मनाया जाए हाथ के साथ दिलों को भी मिलाया जाएठ मौके पर अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह, पूर्व चेयरमैन अमरनाथ यादव, सभासद अरशद उल्ला, इस्लाह अहमद, सत्यम केसरी, बलवंत मौर्य, शकील इस्माइल, अशफाक अहमद, बबलू प्रधान, धर्मेंद्र गुप्ता, अनीस अहमद, शैलेंद्र कुमार पटेल, लक्ष्मी कांत मिश्र, काका जी आदि सैकड़ों लोगों के अलावा थाने के वरिष्ठ उपनिरीक्षक माजिद खान, विनय कुमार मिश्रा, सुनील मिश्र, जयसिंह, दद्दन आदि लोग उपस्थित रहे।

कैंसर से पीडित युवक की इलाज के दौरान हुई मौत-कोरांव

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी

कोरांव प्रयागराज। कोरांव तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत अमिलिया पाल निवासी श्यामधर कोहार ने अपने परिवार के भरण-पोषण करने के लिए प्राइवेट कम्पनी सुरत में गया था। अचानक श्यामधर के पैर पर केमिकल गिर गया जिससे दवा के दौरान श्यामधर को इफेक्सन हो गया था इलाज करवाने के लिए अस्पताल लेकर गए जहां पर डाक्टरो ने जांच कर रिपोर्ट दिया रिपोर्ट के आधार पर युवक को कैंसर हो गया।परिवार के लोगो ने किसी तरह से पैसा ब्यवस्था कर इलाज करवाने लगे।इलाज के दौरान हालत में सुधार नहीं हुआ अचानक इलाज के दौरान रात में मौत हो गई अपने परिवार में अकेला कमाने वाला ब्यक्ति था। जिसमें परिवार का खर्ची से लेकर बच्चों की पढ़ाई लिखाई पिता के बल पर था।गरीब मजदूर किस्म ब्यक्ति के घर परिवार की स्थित पहले से ही बहुत दैनिय था।जानकारी अनुसार श्यामधर

कोहार पुत्र रामखेलावन उम्र लगभग 36 वर्ष मृतक की पतने गुलाब कली व दो छोटे छोटे बच्चे एक बच्चा 7वर्ष का दुसरा बच्चा 5 वर्ष है पतने सहित बच्चो की भविष्य जा पहुंची खतरे मे और परिवार में छाया मातम।

सभासद एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने फूलपुर के सभासदों का कद बढ़ाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। सभासद एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज इंसान ने फूलपुर नगर पंचायत के सभासद अली शेर खान को एसोसिएशन का जिला अध्यक्ष, मोहम्मद शमशाद खान को जिला उपाध्यक्ष तथा शहजादे पहलवान राईन को जिला महामंत्री के पदों से नवाजा। इस मनोनयन पर फूलपुर के सभासदों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज इंसान के साथ-साथ नामित सभासदों को बधाई देते हुए नगर पंचायत फूलपुर को विकास की गति देने तथा स्वच्छ सुंदर बनाने की कामना की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्त्री मुक्ति लीग के संयुक्त तत्वाधान में छात्र संगठन ने निकाला जुलूस

चुप रहना छोड़ दो गुलामी की बेड़ियां तोड़ दो।

(आधुनिक समाचार सेवा)
अजय कुमार गुप्ता

प्रयागराज। मंगलवार 8 मार्च को दिशा छात्र संगठन और स्त्री मुक्ति लीग के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग के सामने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की विरासत पर बातचीत और क्रान्तिकारी गीतों की प्रस्तुति की गई और महिला छात्रावास तक जुलूस निकाला गया। दिशा छात्र संगठन की नीशू ने कहा कि अन्तराराष्ट्रीय महिला दिवस यानी 8 मार्च हमारे लिए हर साल आने वाला कोई रस्मी त्यौहार नहीं है बल्कि दुनिया भर की महिलाओं के लिए अपने मुक्ति के सपनों के संघर्ष को याद करने और अपने संकल्प को फिर से दुहराने का दिन है। 1910 में आयोजित समाजवादी महिला सम्मेलन में नारी मुक्ति संघर्ष और मेहनतकश अवाम की नेता

क्लारा जेटकिन ने शान्ति, जनतन्त्र और समाजवाद के लिए संघर्ष में दुनियाभर की उत्पीडित औरतों की क्रान्तिकारी एकजुटता के प्रतीक के तौर पर 8 मार्च को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया था, क्योंकि इसी दिन 1857 में अमेरिका के कपड़ा उद्योग में काम करने वाली मेहनतकश औरतों ने काम के घण्टे 16 से 10 करने के लिए एक जुझारू प्रदर्शन किया था। स्त्रियों ने संगठित होकर और लड़कर जो कुछ अधिकार हासिल किये थे धीरे-धीरे वह भी छीनते जा रहे हैं आज बाजार व्यवस्था ने स्त्रियों का जिस्म ही नहीं, उनके पूरे वजूद को ही उपभोक्ता सामग्री में बदल दिया है। विज्ञापनों फिल्मों-सीरियलों आदि से लेकर पोर्नोग्राफी के विश्वव्यापी बाजार तक उनकी श्रमशक्ति भी बाजार में सबसे सस्ती बिकती है। एक समान काम के लिए उन्हें पुरुषों से काफी कम वेतन मिलता है स्त्री मुक्ति लीग की अंजलि ने कहा कि हमारी लड़ाई पुरुषों से नहीं बल्कि पुरुषवादी मानसिकता, एनजीओपंथ की राजनीति और स्त्रियों को माल बनाने वाली व्यवस्था से है। हम इस असमानता के ख़िलाफ़ संघर्ष करने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम का संचालन शिवा ने किया और दिशा की टीम ने 'महिलाएं अगर उठी नहीं तो' , लड़ाई जारी है, हम जंगे आवामी से कोहराम मचा देंगे आदि क्रान्तिकारी गीतों की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में सौम्या, नेहा, अंजना,अनिल, सत्यम, अम्बरीश, प्रिया आदि सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुई।

पहली बार मतदान कर खिले युवाओं के चेहरे

सोनभद्र। यूपी विधानसभा के सातवें चरण में सोमवार को जिले की चार विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ। इसमें पहली बार मतदाता बने युवाओं में मतदान के लिए विशेष उत्साह रहा। चारों विधानसभा सीटों के मतदान केंद्रों पर सुबह से ही युवा मतदान के लिए कतार में लग गए और अपनी बारी का इंतजार करने लगे। जब उनका नंबर वोट देने के लिए आया तो पूरे उत्साह के साथ अंदर गए और ईवीएम के जरिए अपने पसंदीदा प्रत्याशी को वोट देकर बाहर निकले। पहली बार वोट देने वाले इन युवाओं के चेहरे खिले हुए थे। मतदान केंद्र के अंदर अंगुलियों पर इंक लगने पर युवाओं को काफी खुशी हुई। पूरे उत्साह के साथ ईवीएम की बटन दबाकर अपने पसंदीदा प्रत्याशी को चुनने की उम्मीद को बल दिया। राबर्ट्सगज नगर की रितिका गुप्ता ने मतदान केंद्र राजा शारदा महेश इंटर कालेज में वोट दिया। कहा कि युवाओं की लोकतंत्र में भागीदारी महत्वपूर्ण है। कहते हैं कि देश का भविष्य युवाओं के कंधे पर है तो युवाओं को भी इस भविष्य को संवारने के लिए आगे आने की जरूरत है। जीशान अली ने उरमौरा स्थित मतदान केंद्र पर सुबह आठ बजे ही पहुंचकर

मतदान किया। उनका कहना था कि लोकतंत्र में अच्छी सरकार चुनने के लिए एक-एक वोट का महत्व होता है। ऐसे में सभी युवाओं को मजबूत लोकतंत्र की स्थापना के लिए वोट देना चाहिए। प्रिया का कहना था कि पहली बार मतदान करके उन्हें काफी खुशी महसूस हो रही है। उन्हें इस बात का अहसास हो रहा है कि वे देश के स्वस्थ लोकतंत्र की भागीदार हैं। इसी तरह अन्य युवतियां भी पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर काफी प्रसन्नाचित थीं। नगर की खुशबू सोनी, तृषा वर्मा, सुप्रिया, अनुष्का वर्मा आदि का कहना था कि मजबूत लोकतंत्र में युवाओं के मतों का विशेष महत्व है। पहली बार उन्हें मताधिकार का मौका मिला है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण की दिशा और विकास की उम्मीद के साथ मतदान किया है।

पड़ोसी राज्यों की सीमा पर रही कड़ी चौकसी

सोनभद्र। सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान संपनन हो गया। करीब 15000 पुलिस कमिर्यों ने चुनावी सुरक्षा की कमान संभाली। जवान मतदान केंद्रों से लेकर पड़ोसी राज्यों की सीमा तक डटे रहे। अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस लगातार भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लेती रही।जिलाधिकारी टीके शिबू व पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने कई मतदान केंद्रों का जायजा लिया और सुरक्षा के बारे में वहां तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों से जानकारी ली। सोनभद्र की सीमा से सटे झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार व मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में 29 बैरियर स्थापित कर सीमा सील की गई थी। प्रत्येक बैरियर पर डेढ़ सेक्शन पैरामिलिट्री फोर्स के अलावा दो सिपाही व एक उप निरीक्षक को तैनात किया गया था। मीरजापुर व चंदौली की सीमा पर 9 बैरियर लगाए गए थे। इन बैरियरों पर एक उप निरीक्षक, दो सिपाही व दो होमगार्ड तैनात किए गए थे। चुनाव सकुशल संपन्न कराने के लिए 528 उप निरीक्षक, 2706 आरक्षी व मुख्य आरक्षी तैनात किए गए थे जबकि डंडे के साथ 1581 आरक्षी व मुख्य आरक्षियों की ड्यूटी लगाई

गई थी। इसी तरह 3038 होमगार्ड भी चुनाव ड्यूटी में लगाए गए थे। 93.1 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई थी। सोमवार की सुबह ही अनपरा-शक्तिनगर के मध्यप्रदेश की सीमा पर पुलिस बल की चौकस मुश्तैदी रही। आने-जाने वालों वाहनों की सघन जांच कर उनसे जाने के कारण से संतुष्ट होने पर ही अनुमति दी जा रही थी। अन्य सभी मुख्य व संपर्क मार्गो पर आवागमन सुचारू रूप में संचालित होता रहा। दुल्लूपाथर सीमा, नगवां में खलियारी, शक्तिनगर के तेलगवां व दुधीचुआ बार्डर पर भी पुलिस की दिनभर चौकसी बनी रही।

मतदान का जज्बा फर्ज के आगे फीका पड़ा उम्र का मर्ज

विधानसभा चुनाव

मीरजापुर। आजादी मिली तो 1952 में पहली बार मतदान हुआ। वर्षे की गुलामी छूटी थी। जनता को शासन का सौभाग्य मिला था। वोट से अपनी सरकार चुननी थी। ठप्पा लगाने से पहले भरी जवानी में उंगलियां कांप रही थीं। अंग्रेजों की क्रूरता को जिन आंखों ने देखा था, इतनी खुशी में वे नम थीं। 100 की दहलीज पर पहुंच चुके बुजुर्ग मतदाता लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान की आहुति डालकर वोट की कीमत के साथ रोमांच महसूस करा गए। लोकतंत्र के महापर्व पर भागीदारी में उम्र का कोई बंधन नहीं दिखा। मतदान करने का उत्साह चरम पर था। नौजवान, महिला ही नहीं उम्रदराज भी उत्साह से लबरेज दिखे।छानबे विधानसभा के बूथ संख्या 344 पर मतदान करने आए पंडितपुर नरोइया के राधिका प्रसाद पांडेय (102) व चुनार विधानसभा के बूथ संख्या 368 प्राथमिक विद्यालय हसौली जमालपुर पर मतदान करने आए 80 वर्षीय कैलाश दुबे खुशी से लबरेज दिखे। ऊंगली पर लगी स्याही दिखाते हुए कहा कि लोकतंत्र के महापर्व पर भागीदारी करना सौभाग्य की बात है। जब तक सांस रहेगी, तब तक मत देने के लिए हर संभव कोशिश करते रहेंगे। शरीर से थोड़ा कमजोर भले हो गया हूं, फिर भी इस बार वोट देने आया। मीरजापुर विधानसभा के बरियाघाट स्थित बूथ संख्या 396 पर पोती अंजलि के साथ मतदान करने पहुंची 80 वर्षीय शांति देवी, मीरजापुर विधानसभा के आदर्श मतदान केंद्र घंटाघर स्थित बूथ संख्या 358 पर बुजुर्ग मूर्ति देवी, मीरजापुर विधानसभा के बरियाघाट स्थित बूथ संख्या 396 पर मतदान करने पहुंची 76 वर्षीय तुलसा देवी व 65 वर्षीय विनीता देवी के स्वास्थ्य पर उम्र तो हावी रही, लेकिन लोकतंत्र के महापर्व पर इनका जज्बा पीछे नहीं रहा।

११ वोट पड़ने बाद ईवीएम खराब, चार घंटे रूका मतदान

सोनभद्र। जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर सोमवार की सुबह से ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिग मशीन खराब होने से कई जगहों पर मतदान प्रभावित रहा। दुद्धी विधानसभा क्षेत्र के चपकी मतदान केंद्र पर सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। अभी 11 वोट पड़े ही थे कि ईवीएम खराब हो गई। इसके बाद करीब चार घंटे तक मतदान प्रभावित रहा। दो बार मशीन बदलने के बाद भी वहां 11 बजे तक मतदान शुरू नहीं हो सका था और वोट देने के लिए लंबी कतार लगी हुई थी। 11 बजे के बाद यहां फिर से मतदान शुरू हुआ। इसी तरह कई अन्य केंद्रों पर भी ईवीएम खराब होने से मतदान प्रभावित हुआ। मतदान के लिए केंद्रों पर भारी भीड़ रही। दुद्धी क्षेत्र के बघाडू के बूथ संख्या 45 पर ईवीएम खराब होने से वोटिग करीब 15 तक रुकी रही। कतार में करीब डेढ़ दो सौ मतदाता लगे हुए थे। ग्राम बांसी स्थित बूथ संख्या 2 पर सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के दौरान ईवीएम काम नहीं कर रही थी। सेक्टर मजिस्ट्रेट ने दूसरी ईवीएम लाकर मतदान शुरू कराया। आधा घंटा देर से मतदान शुरू हुआ। ओबरा विधान सभा के मीतापुर में बूथ संख्या 27 का ईवीएम मशीन खराब होने की सूचना मंत्री संजीव सिंह को मिली, जिसकी शिकायत मंत्री ने डीएम से किया। यहां भी 20 मिनट तक मतदान प्रभावित रहा। अनपरा थाना के औराडाढ द्वितीय पोलिग स्टेशन के बूथ संख्या 213 पर मतदान शुरू होने के दौरान ईवीएम चालू नही हो रहा था। सेक्टर मजिस्ट्रेट ने ईवीएम को चालू किया। इस दौरान 15 मिनट मतदान प्रभावित रहा। दुद्धी विधान सभा के बूथ क्रमांक 117 ग्राम पंचायत चक चपकी में डेढ़ घण्टे से ईवीएम मशीन खराब है। मतदाताओं की लंबी कतार लगी है। ओबरा विधान सभा, ग्राम पंचायत मीतापुर बूथ संख्या 17 की ईवीएम खराब हुई थी। यहां करीब डेढ़ घंटे बाद मतदान चालू हो पाया।

दो किमी के सफर में पार किया बिच्छी नदा मताधिकार का किया प्रयोग.....

बीजपुर(सोनभद्र)। पिडारी ग्राम पंचायत के बीचों बीच बह रही बिच्छी नदी ने भी मतदाताओं का हौसला टूटने नहीं दिया। इस नदी से गुजरकर मतदाता मतदान केंद्रों तक पहुंचे और अपने मतों का प्रयोग किया। मतदान केंद्र तक जाने के

लिए उन्हें परेशानी भी हुई लेकिन लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी इस क्षेत्र के लोगों ने पूरे उत्साह के साथ निभाया। पिडारी गांव में कुल 14 टोले हैं, जिसमें 8 टोले नदी उस पार है और 6 टोले नदी इस पार हैं। बीच मे पड़ने वाली बिच्छी नदी पर बना पुल बरसों पहले पानी के तेज बहाव में बह गया था। यहां आज तक ग्रामीण नदी में उतर कर ही आवागमन करते हैं। कई बार यहां के ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से नदी पर पुल के निर्माण की मांग उठाई लेकिन किसी भी प्रतिनिधि ने उनकी मांग नही मानी। इसका नतीजा रहा कि यहां के लोग अब भी नदी पार कर ही अपने आवश्यक कार्य के लिए कहीं जाते हैं। विधानसभा चुनाव में ग्रामीणों को नदी में उतर कर मतदान स्थल तक जाना पड़ रहा है जो बहुत ही जोखिम भरा सफर है। मतदान के लिए ग्रामीण अगर नदी पार करने की बजाय सड़क रास्ते से मतदान करने पोलिग बूथ तक जाते तो 40 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता। नदी के रास्ते करीब 2 किलोमीटर का सफर तय कर मतदान स्थल तक पहुंचे।

सूनी रहीं सड़कें, चाय-पान को तरसे लोग

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव में सातवें व अंतिम चरण का मतदान सोमवार को जिले की चारों विधानसभा सीटों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदान के दिन सभी दुकानें भी बंद रहीं। इससे जहां सड़के सूनी रहीं, वहीं लोगों को चाय-पान तक के लिए परेशान होना पड़ा। सोनभद्र की चारों विधानसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी टीके शिबू ने मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। इस कारण सोमवार को सुबह से मतदान को लेकर सभी दुकानों के साथ ही सार्वजनिक व निजी संस्थान बंद रहे। इससे सड़कों पर सननटा पसरा रहा। राबर्ट्सगंज नगर व आसपास के इलाकों में स्थित दुकानें बंद रहीं। सुबह से ही दुकानें बंद होने के कारण लोगों को चाय-पान तक के लिए तरसना पड़ा। इतना ही नहीं वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर स्थित ढाबे व होटल भी बंद रहे। इस कारण बाहर से चुनाव को लेकर आए बस चालकों को चाय-पान तक नसीब नहीं हुआ। राबर्ट्सगंज में शाम को चार बजे के बाद मतदान समाप्त होने पर इक्का-दुक्का दुकानें खुलना शुरु हुईं तो दुकानों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी।

सीटों पर दिखी दलगत गोलबंदी, सक्रिय रहे कार्यकर्ता

सोनभद्र। जनपद के चारों विधानसभा सीटों राबर्ट्सगंज, घोरावल, ओबरा व दुद्धी में राजनीतिक दलों की जबरदस्त गोलबंदी दिखी। सभी पार्टियों के नेता, कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टी की जीत के लिए अंतिम समय तक मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करते नजर आए। सदर सीट राबर्ट्सगंज में भाजपा के वर्तमान विधायक भूपेश चौबे प्रत्याशी हैं तो सपा से पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, बसपा ने अविनाश शुक्ला को मैदान में उतारा है। तीनों दलों के कार्यकर्ता और प्रत्याशी अंत तक मतदाताओं को रिझाने में लगे रहे। घोरावल विधानसभा सीट पर भी भाजपा, सपा की कांटे की टक्कर है। यहां भाजपा से विधायक अनिल मौर्या, सपा से पूर्व विधायक रमेश दूबे व कांग्रेस से विदेश्वरी सिंह राठौर तो बसपा से मोहन कुशवाहा मैदान में हैं। यहां दिनभर पार्टियों के कार्यकर्ता गोलबंदी करने के साथ ही ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए सक्रिय नजर आए। इन दोनों सामान्य सीटों पर कांटे की टक्कर है। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित ओबरा सीट पर राज्यमंत्री व भाजपा प्रत्याशी संजीव सिंह गोंड़ की प्रतिष्ठा दांव पर है। बसपा से पूर्व मंत्री सुभाष खरवार वर्तमान मंत्री को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। सपा से सुनील सिंह गोड़ के पक्ष में उनकी पार्टी के कार्यकर्ता लामबंद है। कांग्रेस के रामराज गोड़ भी मैदान में हैं। दुद्धी एसटी सीट पर सपा के प्रत्याशी पूर्व मंत्री विजय सिंह गोंड़ भावनात्मक रूप से कार्यकर्ताओं से जुड़कर मतदाताओं को रिझाने के लिए गोलबंदी में जुटे रहे। भाजपा प्रत्याशी रामदुलार गोंड़, बसपा प्रत्याशी विधायक हरिराम चेरो व कांग्रेस प्रत्याशी बसंती पनिका के पक्ष में भी कार्यकर्ता पार्टीगत रूप से गोलबंद नजर आए। जातिगत रूप से पार्टियों में बंटे मतदाता इस बार किस ओर अधिक आकर्षित हैं, या किसे अपना मत दे रहे हैं, यह मतदाताओं की खामोशी की वजह से पता नहीं चल पाया। मतदान केंद्रों पर भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस चारों दलों के कार्यकर्ता अंत तक जमे रहे। मतदान सभी सीटों पर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट द्वाराअंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बालिकाओं में पाठ्य सामग्री का हुआ वितरण सुकृत - सोनभद्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के करमा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा

सुकृत में स्थित सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के केंद्रीय कार्यालय पर आज दिनांक 08 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के शुभ अवसर पर ट्रस्ट के संस्थापक/ राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा द्वारा बालिकाओं में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। अपने संबोधन में अध्यक्ष महोदय ने कहा कि समाज के हर वर्ग की बालिकाएं व महिलाएं शिक्षित होंगी और उनका सम्मान होगा तभी हमारा देश उननति करेगा। इसलिए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि अपनी- अपनी बेटियों को शिक्षित करेंगे और सम्मान भी देंगे। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा, सह ट्रस्टी शांति देवी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता, जिला सचिव सोनभद्र दिनेश कुमार, जिला सचिव सोनभद्र महिला मंच राधिका यादव, सदस्य गण मदन लाल यादव, सूरज मणि तथा सरवरे अख्तर मौजूद रहे।

प्रत्याशियों का भाग्य पेटी में बंद, 58.97 फीसद मतदान

मीरजापुर। विधानसभा चुनाव में मीरजापुर जिले में 58.97 फीसद मतदान हुआ। 9 बजे तक 9.14, सुबह 11 बजे तक 23.41, दोपहर 1 बजे तक 38.20, दोपहर तीन बजे तक 44.66 तथा शाम पांच बजे तक 54.95 और फाइनल छह बजे तक 58.97 फीसद लोगों ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिले के कुल 60 प्रत्याशियों का भाग्य सोमवार को मतपेटी में बंद हो गया। छिटपुट शिकायतों को छोड़कर जिले में मतदान शांतिपूर्ण रहा। सातवें चरण में मीरजापुर सीट के विधानसभा छानबे, मीरजापुर, मझवां, चुनार और मड़िहान सीट के लिए मतदान सोमवार को हुआ। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव कराने के लिए केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। केंद्रीय बलों की मौजूदगी में सुबह सात बजे से मतदान आरंभ हुआ। पहले दो घंटे में अर्थात सुबह 9 बजे तक केवल 9.14 फीसद ही मतदान हुआ। इसमें विधानसभा छानबे में 9.00 फीसद, मीरजापुर में 9.50 फीसद, मझवां में 8.50 फीसद, चुनार में सर्वाधिक 10.2 और मड़िहान विधानसभा में 8.50 फीसद लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके बाद मतदान ने थोड़ी रफ्तार पकड़ा। सुबह 11 बजे तक छानबे में 21.71, मीरजापुर में 22.93, मझवां में 27.87, चुनार में 24.50 और मड़िहान में 20.02 सहित 23.41 फीसद मतदान हुआ। दोपहर एक बजे तक छानबे में 36.68, मीरजापुर में 35.30, मझवां में 39.60, चुनार में 40.20, मड़िहान में 38.73 सहित 38.10 हुआ। इसके बाद मतदान क्रमशः बढ़ता ही गया। दोपहर 3 बजे तक छानबे में 43.20, मीरजापुर में 44.25, मझवां में 45.10, चुनार में 45.60, मड़िहान में 45.13 सहित 44.66 फीसद मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक छानबे में 53.22, मीरजापुर में 53.65, मझवां में 55.85, चुनार में 56.02, मड़िहान में 56.01 सहित कुल 54.95 फीसद मतदान हुआ है। आखिर में शाम छह बजे तक छानबे में 56.38, मीरजापुर में 55.24, मझवां में 60.26, चुनार में 60.70, मड़िहान में 62.25 फीसद मतदान हुआ। इस तरह जिले में कुल 58.97 फीसद ही मतदान हो सका। इन आंकड़ों पर नजर डालें तो इस बार पिछले विधानसभा चुनावों से तकरीबन 3.5 फीसद कम मतदान हुआ है। मीरजापुर जिले में मतदान प्रतिशत।

शांतिपूर्ण संपन्न हुआ लोकतंत्र का महापर्व, 434 बूथों पर 57.02 फीसद मतदान

चुनार (मीरजापुर)। कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को चुनार विधान क्षेत्र में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक शांतिपूर्ण मतदान संपनन हुआ। रिटर्निंग अफसर/ एसडीएम चुनार नीरज प्रसाद पटेल ने बताया कि शाम छह बजे तक 434 बूथों पर कुल 57.02 फीसद मतदान हुआ। चुनार विधानसभा में कुल 352794 वोटर हैं। सुरक्षा व्यवस्था व शांतिपूर्ण मतदान के लिए सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस व एएसपी आपरेशन महेश सिंह अत्रि ने पूरे दिन चुनार एवं मड़िहान विधान सभा के विभिनन बूथों का जायजा लिया। चुनार क्षेत्र के 27 मतदेय स्थलों पर सुबह माकपोल के दौरान ईवीएम मशीनों में आई तकनीकी गड़बड़ियों को ठीक कराकर मतदान की प्रक्रिया समय से शुरू कराई गई। कुछ बूथों पर तीनों यूनिट और कुछ पर वीवीपैट और कहीं कहीं वीवीपैट के साथ बीयू यूनिट बदली गई। इस संबंध में आरओ नीरज प्रसाद पटेल ने बताया कि 370 ओड़ी, 376 घरवाह, 359 शाहपुर, 132 नपा चुनार, 98 दरगाह शरीफ, 329 धारा, 204 विशुनपुरा, 14 डोमनपुर समेत 27 बूथों पर माकपोल के दौरान समस्या आई थी, जिसे दुरूस्त कराया गया। तहसील सभागार में बनाए गए कंट्रोल रूम में पूरा दिन शिकायतों व समस्याओं को लेकर अधिकारियों के फोन बजते रहे। आरओ समेत एआरओ तहसीलदार अरुण कुमार गिरी व बीडीओ पवन कुमार सिंह ईवीएम व मतदान संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश देते रहे।बहुआर में बनाये गए बूथ से कुछ दूरी पर सड़क पर भाजपा के चुनाव निशान कमल की रंगोली बनाये जाने की शिकायत पर एसडीएम ने मौके पर जमालपुर एसओ अरविद सरोज को भेज कर उसे साफ करवाया। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बूथ संख्या 97 दरगाह शरीफ पर विपक्षियों द्वारा साड़ी और शराब बांटने की शिकायत की गई। एसडीएम ने बताया कि पुलिस की जांच के दौरान शिकायत में कोई सत्यता नहीं पाई गई। मठना विद्यालय स्थित बूथ पर कोने में भाजपा का झंडा लगा हुआ था जिसे प्रशासन द्वारा तत्काल हटवाया गया। पहले मतदान फिर जलपान की सूक्ति को आत्मसात करते हुए सुबह से ही सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का पहुंचना शुरू हो गया था।सुबह आठ बजे के बाद मतदान में तेजी आई और सात से नौ बजे के बीच में 10.2 फीसद मतदान हुआ। सूरज की गर्मी बढ़ती गई और मतदाताओं के सर भी मतदान की गर्मी चढ़ने लगी और 9 से 11 बजे के बीच मतदन का आकंड़ा 24.50 फीसद पहुंच गया। दोपहर एक बजे 40.20 फीसद मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। पांच बजे तक 56.2 फीसद मतदान वही शाम 6 बजे तक अंतिम मतदान के रूप में 57.02 फीसद मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

दो बसों में टक्कर बाल-बाल बचे जवान

रेणुकूट (सोनभद्र)। स्थानीय पुलिस चौकी क्षेत्र के मुर्धवा मोड़

के समीप सोमवार की शाम लगभग 7:30 बजे चुनाव में लगी दो बसों में टक्कर हो गई। अचानक हुए हादसे से बस पर सवार आइटीबीपी के जवान बाल-बाल बच गए। चौकी पुलिस ने बताया कि गैर जनपद से आई दो रोडवेज की बसें मुर्धवा मोड़ के समीप आपस में टकरा गई। दुद्धी विधानसभा से चुनाव ड्यूटी कर रेणुकूट के स्कूल में लौट रहे आइटीबीपी के जवान बस में बैठे थे और एक खाली रोडवेज की बस रेणुकूट की ओर से मुर्धवा मोड़ की तरफ जा रही थी। हादसे में बस के ड्राइवर को हल्की चोट आई हैं।

मप्र व प्रयागराज बार्डर के सात स्थानों पर लगाए बैरियर

हलिया (मीरजापुर)। जनपद में आखिरी चरण के विधानसभा चुनाव को सकुशल संपनन कराने के लिए स्थानीय पुलिस यूपी-एमपी व प्रयागराज जनपद के बार्डरों पर कुल सात स्थानों पर अंतरराज्यीय बैरियर लगाया है। ऐसे में चेकिग करने के बाद ही वाहनों को यूपी में प्रवेश दिया जा रहा है। इससे मतदान के दौरान किसी प्रकार की खलल न पड़े। इसको लेकर पुलिस व प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। क्षेत्र के यूपी-एमपी के जड़कुड़, करौंदिया हरबरा, भैसोड़ वलाय पहाड़, चौरा पीडिरया, कुशियरा बेलाही, दुर्जनीपुर प्रयागराज व देवहट प्रयागराज बार्डर पर बैरियर लगाकर वाहनों के चेकिग के लिए बैरियर लगाई है। प्रत्येक बैरियर पर एक एसआई के साथ दो कांस्टेबल व डेढ सेक्शन मिलिट्री के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है।

बैरियर से गुजरने वाले वाहनों के साथ ही संदिग्धों की तलाशी ली जा रही है। वही हलिया क्षेत्र के सीमा से सटे मध्यप्रदेश राज्य है। स्थानीय पुलिस के साथ मध्यप्रदेश की पुलिस लगातार सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन कांबिग कर रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मध्यप्र देश व प्रयागराज जनपद के बार्डरों पर कुल सात स्थानों पर बैरियर स्थापित किया गया है। प्रत्येक बार्डर पर एक एसआई व दो कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई गई है जो चेकिग के बाद ही वाहनों को आने दिया जा रहा है।

लांस कूल्जर बने जिम्बाब्वे टीम के बल्लेबाजी कोच जबकि इस खिलाड़ी को मिली कप्तानी की जिम्मेदारी

जिम्बाब्वे। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आलराउंडर लांस कूल्जनर ने एक बार फिर से जिम्बाब्वे के बल्लेबाजी कोच के रूप में टीम को ज्वाइन किया है। सोमवार को जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड द्वारा हुई एक मीटिंग में इस बात की पुष्टि की गई। इतना ही नहीं क्रेग इरविन को व्हाइट बाल क्रिकेट टीम का फुल टाइम कप्तान नियुक्त किया गया है जबकि सीन विलियम्स को टेस्ट टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कूल्जनर के क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए 49 टेस्ट मैचों में 1,906 रन जबकि 171 वनडे मैचों में 3,576 रन बनाए है।

वनडे में उनके नाम 2 शतक और 19 अर्धशतक जबकि टेस्ट में 4 शतक और 8 अर्धशतक लगाए है। उन्होंने टेस्ट में 80 जबकि वनडे में 192 विकेट लिए ह इससे पहले कूल्जनर 2016 से 2018 के बीच भी टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाल चुके है। हालांकि वर्तमान में वे अफगानिस्तान टीम से जुड़े थे और हेड कोच की भूमिका में काम कर रहे थे। नवनियुक्त कप्तान इरविन के करियर की बात करें तो उन्होंने जिम्बाब्वे के लिए 102 वनडे में 2,837 रन, 18 टेस्ट में 1,208 रन और 34 टी20 में 777 रन बनाए है। इरविन ने अपना टेस्ट डेब्यू बांग्लादेश के खिलाफ 4 अगस्त 2011 को हरारे में किया था।इसके अलावा बोर्ड पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के लिए एक गेंदबाजी कोच और एक फिटनेस ट्रेनर की नियुक्ति को भी अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने सूरत में शुरू किया ट्रेनिंग सेशन

नई दिल्ली। 26 मार्च 2022 से आइपीएल के 15वें सीजन का आगाज हो रहा है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। चेन्नइ ने सोमवार से महेंद्र सिंह धौनी की अगुआई में सूरत के लालभाई कांट्रैक्टर स्टेडियम में ट्रेनिंग सेशन शुरू कर दिया है। सीएसके ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर करके सूरत के लोगों का आभार जताया है। सीएसके ने जो फोटो शेयर किया है उसमें कप्तान धौनी, अंबाती रायडू, गेंदबाजी कोच बालाजी और केएम आसिफ नजर आ रहे है सीएसके की टीम इस बार-बार बदली-बदली सी नजर आएगी। सीएसके ने इस बार केवल रवींद्र जडेजा, महेंद्र सिंह धौनी, रितुराज गायकवाड़ और मोइन अली को रिटेन किया था। इस कारण से फाफ डुप्लेसिस नीलामी के लिए उपलब्ध थे और उन्हें बेंगलुरू ने खरीद लिया। सीएसके की टीम इस बार डुप्लेसिस को मिस करेगी। उन्होंने चेन्नइ के लिए कई बड़े मैचों में प्रदर्शन किया है। इस बार वे रायल्स चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेलते नजर आएंगे। इसके अलावा दीपक चाहर जिन्हें टीम ने 14 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा था। चोट के कारण वे कुछ शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगे। इस बार खेल रही 10 टीमों को दो वर्चुअल ग्रुप में बांटा गया है। सीएसके, सनराइजर्स हैदराबाद, आरसीबी, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के साथ गरुप बी में है। सीएसके ने अब तर 4 आइपीएल खिताब अपने नाम किया है।10 टीमों के साथ खेला जाने वाला इस बार का आइपीएल फार्मेट थोड़ा अलग है। दो ग्रुपों में बंटी टीम अपने गरुप के सभी टीमों और अपने सामने वाली टीमों से 2-2 मुकाबले जबकि बाकी टीमों से 1-1 मुकाबला खेलेगी। हालांकि आगे का सफर 14 मैचों के बाद प्वाइंट्स पर निर्भर करेगा जैसा पहले हुआ करता था। महेंद्र सिंह धौनी, दीपक चाहर, मोइन अली, रविन्द्र जडेजा, अंबाती रायडू, रितुराज गायकवाड़,डवेन ब्रावो, शिवम दुबे, राबिन उथप्पा, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, राजवर्धन हंगारगेकर, सिमरजीत सिंह, डेवोन कानवे, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सैंटनर, एडम मिलने, सुभ्रांशु सेनापति, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, सी हरी निशांत, एन जगदीशन, क्रिस जार्डन, के भगत वर्मा, माहीश तीक्ष्णा।

भारतीय क्रिकेटर राहुल चाहर फैशन डिजाइनर ईशानी जौहर संग इस दिन लेंगे सात फेरे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर राहुल चाहर नौ मार्च को गोवा में फैशन डिजाइनर ईशानी जौहर संग सात फेरे लेंगे। दोनों ने दो वर्ष पूर्व जयपुर में सगाई की थी। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। शादी में कई खिलाडियों को आमंत्रित किया गया है। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राहुल चाहर के परिवार के सदस्य गोवा रवाना हो चुके हैं। वेस्टर्न गोवा स्थित होटल में दोनों की शादी की रस्में मंगलवार से शुरू होंगी। मंगलवार शाम को मेहंदी की रस्म होगी। बुधवार दोपहर हल्दी की रस्म होगी और शाम को बरात चढ़ेगी। रात को अन्य रस्में होंगी और शादी के बाद 12 मार्च को आगरा के एक होटल में रिसेप्शन होगा। भारतीय टीम इन दिनों श्रीलंका सीरीज में व्यस्त है। गोवा के साथ ही आगरा में होने वाले रिसेप्शन में कई खिलाडियों व आइपीएल फ्रेंचाइजी टीमों से जुड़े दिग्गजों के आने की उम्मीद जताई जा रही है। राहुल चाहर के चचेरे भाई क्रिकेटर दीपक चाहर सीधे गोवा पहुंचेंगे। आपको बता दें कि 22 साल के राहुल चाहर ने भारत के लिए अब तक एकमात्र वनडे मैच खेला है जिसमें उन्होंने 54 रन देकर 3 विकेट लिए थे। 23 जुलाई 2021 को उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ये मैच खेला था और उसके बाद उन्हें वनडे टीम में अब तक मौका नहीं मिल पाया है। वहीं उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व 6 टी20 इंटरनेशनल मैचों में किया है जिसमें उन्होंने कुल 7 विकेट लिए हैं और उनका बेस्ट प्रदर्शन 15 रन देकर 3 विकेट रहा है। राहुल चाहर साल 2019 से आइपीएल में भी खेल रहे हैं और उन्होंने इस लीग में अब तक 42 मैचों में 43 विकेट लिए है। आइपीएल में उनका अब तक का बेस्ट प्रदर्शन 27 रन पर चार विकेट रहा है।

बेंगलुरु में होगा डे-नाइट टेस्ट, रोहित की कप्तानी में भारत की नजर लगातार पांचवीं क्लीन स्वीप सीरीज जीत पर

मोहाली। कोलकाता के ईडन गार्डेस स्टेडियम और अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के बाद अब बेंगलुरु का एम चिननस्वामी स्टेडियम गुलाबी गेंद से भारत में तीसरे डे-नाइट टेस्ट मैच का आयोजन करने के लिए तैयार है। भारत ने अब तक अपनी सरजमीं पर हुए दोनों डे-नाइट टेस्ट जीते है और अब रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम के श्रीलंका को मोहाली में खेले गए सीरीज के पहले टेस्ट में पारी और 222 रन से रौंदने के बाद सभी को 12 मार्च से बेंगलुरु में गुलाबी गेंद से होने वाले सीरीज के दूसरे टेस्ट का इंतजार है। रिकार्ड और भारत के इस दौरे पर श्रीलंका का जिस तरह का प्रदर्शन रहा है उसे देखकर यह कहना मुश्किल नहीं होगा कि रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया लगातार पांचवीं सीरीज में क्लीन स्वीप करने को तैयार है। इससे पहले रोहित की कप्तानी में भारत ने न्यूजीलैंड को घरेलू टी-20 सीरीज में 3-0 से हराया था। उसके बाद भारत दौरे पर आई वेस्टइंडीज की टीम को वनडे सीरीज में 3-0 से मात दी थी और उसके बाद टी-20 सीरीज में भी वेस्टइंडीज का 3-0 से सूपड़ा साफ किया था। इसके बाद भारत ने श्रीलंकाई मेहमानों का टी-20 सीरीज में 3-0 से सफाया किया था। ऐसे में अब रोहित भी अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज क्लीन स्वीप के रूप में जीतना चाहेंगे। डे-नाइट टेस्ट में मेजबानों का दबदबा : क्रिकेट प्रशंसकों के लिहाज से डे-नाइट टेस्ट के बारे में एक सबसे अच्छी बात यह है कि अब तक खेले गए सभी डे-नाइट टेस्ट के परिणाम निकले हैं, यानी कोई भी डे-नाइट टेस्ट ड्रा नहीं रहा है। हालांकि, डे-नाइट टेस्ट मैचों में मेजबान टीमों का दबदबा रहा है। अब तक 18 डे-नाइट टेस्ट मैच खेले गए हैं और इनमें से 16 में मेजबान टीमों को जीत मिली है। सिर्फ दो टेस्ट ऐसे रहे जिन्हें मेहमान टीम ने जीतने में सफल रहीं। इससे पहले भारत में भी जो दो डे-नाइट टेस्ट हुए हैं उनमें भी भारतीय टीम जीत दर्ज की है पर श्रीलंकाई टीम दे सकती है चुनौती : श्रीलंकाई टीम भले ही मोहाली टेस्ट तीन दिन के भीतर हार गई हो, लेकिन डे-नाइट टेस्ट में उसका रिकार्ड बेहतरीन है और उस रिकार्ड के दम पर श्रीलंकाई टीम भारत को चुनौती दे सकती है। श्रीलंका में अब तक कोई डे-नाइट टेस्ट नहीं खेला गया है, लेकिन श्रीलंकाई टीम ने दो बार विरोधी टीमों को उनकी ही मेजबानी में खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैचों में हराया है। हालांकि, श्रीलंकाई टीम आस्ट्रेलिया की मेजबानी में खेले गए एक डे-नाइट टेस्ट में हार भी चुकी है। लेकिन, श्रीलंका अकेली ऐसी टीम है जिसने विरोधी टीम को उसके घर में डे-नाइट टेस्ट में हराया है और यह बात श्रीलंका का मनोबल बढ़ाने का काम कर सकती है। हालांकि, पाकिस्तान ने दुबई में एक डे-नाइट टेस्ट में वेस्टइंडीज को हराया था, लेकिन इस टेस्ट का मेजबान पाकिस्तान ही था। आस्ट्रेलिया के बाद भारत : बेंगलुरु का एम चिननस्वामी स्टेडियम डे-नाइट टेस्ट का आयोजन करने वाला देश का तीसरा स्टेडियम बनेगा। सिर्फ आस्ट्रेलिया में ही भारत से ज्यादा स्टेडियम में डे-नाइट टेस्ट हो चुके हैं। आस्ट्रेलिया के चार स्टेडियम डे-नाइट मैच आयोजित कर चुके हैं। भारत और आस्ट्रेलिया के अलावा किसी भी देश ने एक से ज्यादा स्टेडियम में डे-नाइट टेस्ट का आयोजन नहीं किया है। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक-एक स्टेडियम डे-नाइट टेस्ट का आयोजन कर चुके हैं।

जब बेटियों ने भरी उड़ान तो कम पड़ गया आसमान 5 ऐसे नाम जिन्होंने दुनिया में देश का नाम बढ़ाया

नई दिल्ली। दुनिया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रही है। आइए इस मौके पर उन असाधारण महिला खिलाडियों के बारे में जानते है जिसने अपने सपने को एक उड़ान दी और अपनी जिद से भारत का नाम पूरे विश्व में बढ़ाया। हमारा देश भारत इस मामले में बहुत ही लकी है जहां गीता-बबीता, साक्षी मलिक, हिमा दास, पीवी सिंधु, साइना नेहवाल, दुती चंद, मनु भाकर, मिताली राज, एमसी मैरीकाम, झूलन गोस्वामी, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन जैसे कितने नाम हैं जो जब भी भारतीय खेल प्रेमियों की जुबां पर आए तो उनका सीना गर्व से चौड़ा हो गया।आज हम उन पांच महिला खिलाडियों का जिक्र करेंगे जिसके बारे में हम गर्व से कह सकते हैं कि हम उस देश के वासी हैं जहां ये खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करती है।**पीवी सिंधु-** भारत की एकमात्र महिला खिलाड़ी जिन्होंने लगातार दो ओलंपिक में देश को मेडल दिलाया और देशवासियों का सर फख्र से उंचा कर दिया। सिंधु ने पहले 2016 रियो ओलंपिक में सिल्वर मेडल और फिर टोक्यो ओलंपिक में ब्रोंज पर कब्जा किया। सिंधु ने चीन की ही बिन जियाओ को 21-13, 21-15 से हराकर इतिहास रचा।उन्होंने न केवल बैक टू बैक ओलंपिक मेडल जीता बल्कि ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला बनीं।सिंधु पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थी जो वर्ल्ड चैंपियन बनीं। 2015 को छोड़ दिया जाए तो उन्होंने हर साल वर्ल्ड कम्पीटिशन में मेडल जीता। सिंधु को 2020 में पद्म भूषण, 2015 में पद्म श्री, 2013 में अर्जुन पुरस्कर और 2016 में मेजर ध्यानचंद खेल रतन से सम्मानित किया गया।मिताली राज- जिस देश में क्रिकेट को पूजा जाता हो और जहां कपिल देव, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और विराट जैसे वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हो उस देश में मिताली राज का फैंस के दिलों में जगह बना लेना आसान काम तो नहीं है।**मिताली** फिलहाल न्यूजीलैंड में खेले जा रहे महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत का नेतृत्व कर रही हैं। ये उनका छठा वर्ल्ड कप है और वे 6 वर्ल्ड कप खेलने वाली दुनिया की एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने इससे पहले 2000, 2005, 2009, 2013 और 2017 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था।इतना ही नहीं मिताली राज ने भारत के लिए 226 वनडे मैचों में 51.56 की औसत से 7,632 रन बनाए हैं जो किसी भी महिला क्रिकेटर द्वारा बनाया गया सर्वाधिक रन है।**मीराबाई चानू-** बहुत कम लोग होते है जो सफलता पाकर उन लोगों को याद रखते हैं जिन्होंने उनकी तब मदद की थी जब उनको सबसे ज्यादा जरूरत थी। मीराबाई चानू एक ऐसा नाम जिसने टोक्यो ओलंपिक में सबसे पहले भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाई। चानू ने 49 किलोग्राम कैटेगेरी में 202 किलोग्राम का वजन उठाकर देश को झूमने का मौका दिया। लेकिन सही मायनों में वो वजन 202 किलो का नहीं बल्कि 130 करोड़ भारतीयों का था जो उनसे मेडल की आस लगाए बैठे थे।12 साल की उम्र में लकड़ी का बोझा उठाने वाली चानू ने न केवल करोड़ों भारतीयों के उम्मीदों को उठाया बल्कि उसे सफलतापूर्वक मेडल में भी बदला।**लवलीना बोरगोहेन-** लवलीना जब टोक्यो ओलंपिक खेलने गई थीं तो शायद ही किसी ने उनसे मेडल की उम्मीद लगाई होगी क्योंकि लोगों की सबसे बड़ी उम्मीद थी एमसी मैरीकाम। लेकिन 69 किलोग्राम भार वर्ग में लवलीना ने बाक्सिंग में देश की उम्मीदों को खाली जाने नहीं दिया और ब्रोंज मेडल अपने नाम किया। 2020 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।**एमसी मैरीकाम-** भारतीय महिला खिलाड़ियों की कोई भी सूची बिना मैरीकाम के खत्म नहीं हो सकती है। 1 मार्च 1983 को मणिपुर में जन्मी मैरीकाम एकमात्र ऐसी महिला बाक्सर है जिन्होंने 6 बार वर्ल्ड बाक्सिंग चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। 2012 ओलंपिक में ब्रोंज मेडल जीतने वाली मैरीकाम देश की एकमात्र बाक्सर थी जिन्होंने इस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। इतना ही नहीं 2014 एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली वो भारत की पहली महिला बाक्सर थीं।उन्हें 2003 में अर्जुन पुरस्कार, 2009 में राजीव गांधी खेल रतन पुरस्कार, 2010 में पद्म श्री और 2013 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। इन पांच महिला खिलाडियों ने न केवल अपने हौसले और जुनून से पूरी दुनिया में देश का नाम बढ़ाया बल्कि देश की आधी आबादी को अपने सपनों से लड़ने और उसे पूरा करने की हिम्मत दी।

सुनील गावस्कर ने शेन वार्न पर दिए अपने बयान पर खेद जताया कहा था- वो नहीं हैं महान स्पिनर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज स्पिनर शेन वार्न पर दिए विवादित बयान पर सोमवार को खेद व्यक्त किया है। वार्न का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। एक टीवी चैनल पर उसी दिन गावस्कर ने वार्न को श्रद्धांजलि थी। लेकिन इस दौरान उन्होंने कहा था कि वह इस गेंदबाज को सर्वकालिक महान स्पिनर नहीं मानते है। उनके इस बयान पर काफी विवाद खड़ा हो गया था। गावस्कर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो पोस्ट कर कहा, पिछला सप्ताह क्रिकेट समुदाय के लिए दुखद रहा क्योंकि हमने 24 घंटे के अंदर रोड मार्श और शेन वार्न के रूप में दो महान खिलाडियों को खो दिया। टीवी पर जब एंकर ने मुझसे पूछा कि क्या वार्न महान स्पिनर थे तो मैंने सिर्फ ईमानदारी से अपनी बात कही। मुझे लगता है कि इस सवाल को नहीं पूछा जाना चाहिए था और मुझे भी इसका जवाब नहीं देना चाहिए था, क्योंकि वो समय तुलना करने का नहीं था। वार्न इस खेल की शोभा बढ़ाने वाले महान खिलाडियों में से एक थे। आपको बता दें कि सुनील गावस्कर ने टूडे गुरुप से बात करते हुए कहा कि शेन वार्न को गेंद को मूव कराने में महारथ हासिल थी और वो कलाई के जादूगर थे। फिंगर स्पिनर के पास कंट्रोल होता है, लेकिन कलाई से गेंद को घूमाना या लेग स्पिन गेंदबाजी करना एक कला है। शेन वार्न अपने फन में माहिर थे, लेकिन वो मेरे लिए दुनिया के बेस्ट स्पिनर नहीं है। मै मुथैया मुरलीधरन को शेन वार्न से ज्यादा बेहतरीन गेंदबाज मानता हूं। सुनील गावस्कर ने कहा कि मैं भारतीय स्पिनर्स और मुथैया मुरलीधरन को शेन वार्न के ऊपर मानता हूं। अगर आप शेन वार्न के रिकार्ड को देखें कि भारत के खिलाफ उनकी गेंदबाजी कैसी रही है तो वो बेहद साधारण है। भारतीय बल्लेबाजों के पास स्पिन के खेलने की शानदार क्षमता होती है और इस वजह से शेन वार्न भारत में ज्यादा सफल नहीं हो पाए।

राशिफल

मेष-:आज यह सकारात्मकता आपके काम में भी साफ तौर पर दिखाई देगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम करें। करियर में तरक्की की संभावन

वृष-:आज आपको आज आपको व्यवसाय के मामले में खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है.

मिथुन-:आज के दिन हर कदम सोच-समझकर लेने की जरूरत है. पारिवारिक मामलों को सबके साथ साझा न करें। रोजगार और रोजगार में किया गया निवेश फायदेमंद रहेगा।

कर्क-:आज वरिष्ठों को खुश करना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है। कड़ी मेहनत और विनम्र स्वभाव इस अवधि के दौरान सफल

सिंह-:आज ऑफिस के सारे काम आप आसानी से पूरे कर लेंगे। किसी अनजान व्यक्ति से अनबन हो सकती है, जितना हो सके उससे बचें।

कन्या-: के दिन ऐसे लोगों के साथ जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा सकते हैं. जीवनसाथी की ओर से जान-बूझकर आपको भावनात्मक चोट लग सकती है, जिससे आप उदास हो सकते हैं।

तुला-:आज का दिन अच्छा रहेगा. कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। लवमेट के साथ आपका दिन अच्छा बीतेगा

वृश्चिक-: आज आप चिड़चिड़े महसूस करेंगे और आपके आत्मविश्वास का स्तर गिर सकता है। आपके गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध कार्य कर सकते हैं

धनु-:आज उन लोगों तक पहुंचने की कोशिश करें जो आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आज आप अपने घर में सुख-शांति की उम्मीद कर सकते हैं।

मकर-:आज आपको इस अवधि के दौरान व्यावसायिक संदर्भ में कुछ छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। अपनी कार्य क्षमता का उपयोग करने से आप हर पल सफल होंगे।

कुंभ-:आज आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसी मित्र की मदद से आपको नौकरी मिल सकती है। लवमेट से खुलकर अपनी सारी परेशानियां शेयर करें

मीन-:आज बहुत काम आएगी. रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा और दिमागी बोझ से मुक्ति मिलेगी। आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। आज आप अपने प्रियतम की याद से रूबरू होंगे।

सम्पादकीय

यूक्रेन संकट में हमारे लिए एक अहम सबक यही है कि हमें ऊर्जा के मोर्चे पर अपनी रणनीति बदलनी होगी

यूक्रेन पर रूस के हमले ने हमारे समक्ष ऊर्जा का संकट खड़ा कर दिया है। कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम लगभग 80 डालर प्रति बैरल था। तब देश में पेट्रोल का दाम लगभग 90 रुपये प्रति लीटर था। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यदि यूक्रेन संकट लंबा खिंचा तो कच्चे तेल का दाम 150 डालर प्रति बैरल तक जा सकता है। तब देश में पेट्रोल की दर बढ़कर 130 रुपये प्रति लीटर तक जा सकती है। यह हमारे आर्थिक विकास के लिए दो प्रकार से नुकसानदेह होगा। पहला यह कि तेल के आयात हेतु हमें अधिक मात्रा में डालर अर्जित करने के लिए औने-पौने दाम पर निर्यात करना होगा। दूसरा यह कि आम आदमी को महंगा पेट्रोल खरीदना होगा। ऐसी स्थिति में उसकी अन्य आवश्यक मदों में खपत कम होगी। इसलिए हमें इस ऊर्जा संकट से निपटने के उपाय पर विचार करना चाहिए। इसका एक उपाय है कि हम ऊर्जा के घरेलू स्रोतों का विकास करें। तब हमें आयातित ईंधन पर निर्भर नहीं रहना होगा। इस दिशा में सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ाने में सफलता हासिल की है। फिर भी एक मोटे आकलन के अनुसार 2050 में हमारी ऊर्जा की खपत में सौर ऊर्जा का हिस्सा सिर्फ 12 प्रतिशत के करीब रहेगा। इसलिए सौर ऊर्जा जरूरी होते हुए भी समाधान नहीं है। दूसरा उपाय पनबिजली का है, जिसके तमाम पर्यावरणीय दुष्प्रभाव हैं। इसका दायरा बढ़ाने से जितना हमारे नागरिकों के जीवन स्तर में ऊर्जा की खपत बे से सुधार होगा उससे ज्यादा नुकसान उन्हीं के जीवन स्तर में पर्यावरण की क्षति से होगा। इसके कारण विस्थापन एवं प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति उत्पन्न होती है। तीसरा उपाय एथनाल है। हम गनने से ईंधन बना सकते हैं, परंतु यहां हमारी खाद्य सुरक्षा का प्रशन है। जब हम कृषि भूमि से एथनाल का उत्पादन करेंगे तो उसी अनुपात में गेहूं, धान और सब्जी का उत्पादन कम हो जाएगा। इससे हमारी खाद्य सुरक्षा प्रभावित होगी। साथ ही अति दोहन से हमारी भूमि की गुणवत्ता में भी गिरावट आएगी। चौथा उपाय थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा का है। परमाणु ऊर्जा बनाने के लिए यूरेनियम का उपयोग किया जाता है, जो हमारे पास कम मात्रा में उपलब्ध है। यूरेनियम का विकल्प थोरियम है, जो हमारे पास पर्याप्त मात्रा में है, लेकिन इससे ऊर्जा बनाने की तकनीक का विकास नहीं को सका है। पिछले 20 वर्षों से हम इसमें विशेष प्रगति नहीं कर पाए है, जबकि चीन शीघ्र ही थोरियम आधारित परमाणु ऊर्जा के प्रायोगिक संयंत्र का परीक्षण करने जा रहा है। यदि थोरियम पर सरकार विशेष ध्यान दे तब भी इसके विकास में 15 वर्ष लग जाएंगे और तब तक इस स्रोत से हमारी ऊर्जा की पूर्ति होना असंभव है। अतः अपनी ऊर्जा सुरक्षा को हम घरेलू ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाकर स्थापित नहीं कर सकते हैं। हमारे पास एकमात्र विकल्प है कि हम अपनी ऊर्जा की खपत कम करें। नेचर पत्रिका के अनुसार विश्व के ऊपरी तबके की 10 प्रतिशत जनता द्वारा दुनिया की 50 प्रतिशत ऊर्जा खपत होती है। जाहिर है कि यदि हम ऊपरी वर्ग द्वारा ऊर्जा की खपत में कटौती करें तो ऊर्जा की खपत में भारी कमी आ सकती है। इसी पत्रिका के अनुसार निजी कार एवं बाइक का उपयोग ऊर्जा की खपत का एक प्रमुख स्रोत है। अतः पेट्रोल की अधिक खपत करने वालों के लिए उसकी अलग दर निर्धारित कर उसमें वृद्धि की जाए। उससे अर्जित टैक्स का उपयोग बस एवं मेट्रो सेवा के विस्तार के लिए किया जाए। आदि के विस्तार से आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार भी होगा। मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि निजी वाहन की तुलना में मेट्रो से सफर करना ज्यादा उत्तम होता है, क्योंकि तब आप अपने समय का उपयोग अखबार आदि पढे के लिए कर सकते है।

''मां'' शब्द अपने आप में बहुत अपना सा लगता हैं जब कोई बच्चा जन्म लेता हैं और दुनिया में उसे ये भी पता नहीं होता की कौन अपना हैं, कौन पराया हैं तब वो सबसे पहले जिस पर भरोसा दिखाता है वो होती हैं मां। मां अपनी ममता, दुलार से बच्चे के जैसे सारे दुख हर लेती हो। मां शब्द भावनाओं से भरा हुआ है क्योंकि माँ भी भावनाओं से भरी होती है तो आज माँ पर हिंदी कविता, माँ की याद कविता लेकर आए हैं।

''मां'' की ममता के बारे में उसकी अच्छाइयों को शब्दों में मैं बयां कर दूं इतनी मेरी औकात नहीं क्योंकि मां, भगवान द्वारा दिया गया वह तोहफा है जिसका न तो मूल्य लगाया जा सकता है और ना ही उनके एहसानों को कभी चुकाया जा सकता है। इसलिए कहते हैं जिसके पास मां है उसके लिए यह धरती स्वर्ग है क्योंकि एक अच्छी संतान हर मां की नसीब में नहीं होती लेकिन हर संतान के नसीब में जरूर अच्छी मां होती है इसलिए जब दवा काम ना करे तो दुआ मांगती है। मां है वो जनाब वह हार कहां मानती है इसलिए जिस तरह हम भगवान की पूजा करते है ठीक उसी प्रकार हमारे दिल में मां का स्थान भगवान के समान होना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यह जानें कि कितनी बदली आधी आबादी की दशा

वर्ष 2012 के 16 दिसंबर की वह काली रात अभी भी लोगों के जेहन से नहीं उतरी है। दिल्ली में एक 23 वर्षीय छात्रा के साथ नृशंसतापूर्वक दुष्कर्म किया गया। बाद में पीड़िता ने सिंगापुर में इलाज के दौरान दुनिया को अलविदा कह दिया था। तब इस जघन्य वादरात ने पूरे देश को एकजुट किया और दोषियों को सजा व बेटी को न्याय दिलाने के लिए एक स्वर से आवाज बुलंद की। लोग बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हो गए। व्यापक विरोध प्रदर्शनों एवं जनता के गुस्से को देखते हुए सरकार को कानून में संशोधन करना पड़ा तथा निभया फंड बनाया गया, जिससे केंद्रीय एवं राज्य स्तर पर बेटियों की सुरक्षा के तमाम प्रबंध की व्यवस्था की गई। इसके बाद न्यायमूर्ति जेएस वर्मा कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी ने एक माह में अपनी रिपोर्ट दी जिसमें अपराध प्रक्रिया में संशोधन का सुझाव दिया। कानून में संशोधन कर यौन अपराधों के लिए कठोर दंड का प्रविधान किया गया। ऐसा माना गया कि शायद अब बेटियों पर अत्याचार रुक जाएगा, किंतु नौ वर्ष बीतने के बाद भी पीछे मुड़कर देखने पर पता चलता है कि फास्टट्रैक कोर्ट, महिला हेल्पलाइन, महिला थाने, पैनिक बटन, मिशन शक्ति जैसी तमाम कवायदों के बावजूद महिलाओं/बेटियों के विरुद्ध लगातार जघन्य वारदात हो रहे हैं। थोड़ा पीछे चलते हैं। वर्ष 2012 में ही उत्तराखंड के पौड़ी में 18 साल की लड़की को एक व्यक्ति ने इसलिए पेट्रोल छिड़क कर जला दिया, क्योंकि वह छेड़छाड़ का विरोध कर रही थी। ऐसी अनगिनत घटनाएं उसके बाद से देशभर में सामने आ चुकी हैं जिनमें महिलाओं, बेटियों के साथ दरिंदगी की गई। सभी का जिक्र करना यहां संभव नहीं है। हालांकि हैदराबाद की हैवानियत पुनः निभया की याद दिलाता है जब 27-28 नवंबर 2019 की रात एक 26 वर्षीय महिला चिकित्सक को टोल प्लाजा के पास स्कूटी का पंचर ठीक करने के बहाने चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसे पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया। बेटी के प्रति क्रूरता को लेकर जनता का आक्रोश इतना बढ़ा कि छह दिसंबर को पुलिस ने हैदराबाद कांड के चारों आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराया। इस मुठभेड़ पर उस समय बहुत सारे लोगों ने जशन मनाया जो व्यवस्था के प्रति मायूसी का ही द्योतक है और इस 'त्वरित न्याय को न्यायोचित ठहराने में जुटे रहे। इसके बाद तीन जनवरी, 2021 को उत्तर प्रदेश के बदायूं में एक आंगनवाड़ी सहायिका से सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद उसकी हत्या कर दी गई। महिला के साथ 'निर्भया जैसी ही दरिंदगी की गई थी, जो लंबे समय तक चर्चा में रहा। इस तरह की अनेक घटनाओं ने एक बार पुनः महिला सुरक्षा पर बहस को तेज किया। इससे सरकारों के कान पर जूं रेंगना शुरू हुआ और संबंधित घोषणाओं की शुरुआत की गई। गृह मंत्रालय ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एडवाइजरी जारी की जिसमें एफआइआर दर्ज करने, त्वरित साक्ष्य जुटाने और यौन अपराधियों का राष्ट्रीय डाटाबेस तैयार करने जैसी घोषणाएं की। साथ ही यह भी कहा कि दुष्कर्म से जुड़े मामलों की जांच दो माह में पूरी हो और एफआइआर दर्ज करने में देरी न की जाए उपरोक्त घटनाओं का उल्लेख करने का उद्देश्य मात्र इतना है इससे यह स्पष्ट होता है कि निर्भया कांड के बाद भी लगातार महिलाओं, बेटियों के प्रति वीभत्स एवं क्रूर अपराध हो रहे हैं। शायद ही कोई ऐसा दिन होता है जब समाचार पत्र वीभत्स महिला अपराधों के समाचार से भरे न हों। इस लिहाज से एक चिंताजनक तथ्य यह भी है कि निभया मामले के बाद यौन अपराध के मामले 29 प्रतिशत बढ़े हैं। कानूनी दांवपेच में न्याय आज भी दम तोड़ रहा है। सर्वाधिक चर्चित निभया मामले में न्याय के लिए मां-बाप की जिंदगी अदालतों के चक्कर लगाने में कटती रही। यद्यपि 2012 में हुई घटना को अंजाम देने वालों को निचली अदालत ने 2013 में मौत की सजा सुना दी थी, किंतु उच्च एवं उच्चतम न्यायालय को कई साल लग गए, क्योंकि दोषी एवं उसके वकील पैंतरेबाजी करते रहे। निर्भया केस के बाद 2013 में देश में 10 हजार करोड़ रुपये से निर्भया फंड बनाया गया जिससे 2015 से 2020 तक 1800 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाई जानी थी। पीड़ितों को मुआवजा मिलना था, सीसीटीवी कैमरे लगने थे, पिंक हेल्प डेस्क बनने थे। किंतु प्रशासनिक उदासीनता के कारण उक्त कार्य आधे अधूरे ही हो सके और फंड का समुचित उपयोग सरकारें नहीं कर सकीं। निर्भया कांड के बाद तमाम कांड देखकर यह स्पष्ट है कि हम दुस्साहसिक वारदात के बाद भी देश आज भी वहीं खड़ा है। यद्यपि पुलिस/प्रशासन/ न्याय तंत्र में सक्रिय एवं राजनीतिक इच्छाशक्ति के बाद भी उस धरा पर जहां कलाई पर रेशम की एक डोरी बांधने से आजन्म भाई-बहन का पवित्र रिश्ता कायम हो जाता हो, जहां शास्त्र परायी स्त्री में मां का भाव रखता हो, जहां लक्ष्मण जी सीता माता के पैर के गहने ही पहचान पाते हों, क्योंकि मातृरूपा भाभी के मुंह की ओर कभी न देखा हो, जहां वेद कहते हैं, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंत्रे तत्र देवता, उस भारत भूमि पर निर्भया जैसी घटना होना और लगातार दोहराते रहना हमें आत्मविश्लेषण को बाध्य करती है। तमाम कानूनों/व्यवस्थाओं के बाद भी महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच बदलने की जरूरत है। इसकी शुरुआत घर-परिवार-समाज को करनी होगी अन्यथा कानूनी प्रविधानों, सुधारों, एडवाइजरी, फंड, मुआवजा का चाहे जितना ढोल पीटा जाए, स्थिति में अपेक्षित परिणाम मुश्किल है।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से शरणार्थियों का संकट पैदा होने की आशंका

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (एनएचसीआर) के ताजा आंकड़ों के अनुसार हवाई एवं मिसाइल हमलों से बचने के लिए 15 लाख से ज्यादा नागरिक यूक्रेन से पलायन कर चुके हैं। देश छोडे वाले लोगों का यह आंकड़ा यूक्रेन की कुल आबादी के तीन प्रतिशत से अधिक है। ये लोग रोमानिया, पोलैंड, मोल्डोवा, स्लोवाकिया, हंगरी और बेलारूस में शरण ले रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा लगभग सात लाख लोग पोलैंड की शरण में हैं। कुछ लोग निकटवर्ती रूस के सीमा क्षेत्र में भी चले गए हैं। सबसे कम शरणार्थी बेलारूस पहुंच रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि बेलारूस रूस का सहयोगी देश है। भारत समेत अनेक देशों के जो नागरिक रोजगार या शिक्षा के लिए यूक्रेन गए थे, वे भी लौट रहे हैं। भारत ने युद्धस्तर पर अभियान चलाकर 20 हजार से अधिक भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने में कामयाबी हासिल की है। युद्ध समाप्ति के बाद इन लोगों की आगे की राह मुश्किल दिख रही है, क्योंकि जिस तरह से यूक्रेन को बर्बाद किया जा रहा है, उसके चलते नहीं लगता कि इस देश में जल्द ही सभी व्यवस्थाएं पटरी पर आ सकती हैं। इस बीच एनएचसीआर ने आशंका जताई है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो 40 लाख से भी ज्यादा यूक्रेनी नागरिकों को पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। युद्ध शरणार्थियों का इससे पहले 2011 में सीरिया में छिड़े गृहयुद्ध के चलते बड़ी संख्या में पलायन शुरू हुआ था, जो 2018 तक जारी रहा। इस दौर में अमेरिका ने अपने मित्र देशों ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर सीरिया पर मिसाइल हमला किया था। सीरिया में मौजूद रासायनिक हथियारों के भंडारों को नष्ट करने के उद्देश्य से अमेरिका ने ऐसा किया था। इसमें रासायनिक हथियारों के भंडार और वैज्ञानिक शोध केंद्रों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में कितनी जनहानि हुई थी, यह तो आज तक नहीं पता चल सका है, लेकिन सीरिया ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया था। वहीं रूस, चीन और ईरान ने कड़ा विरोध जताया। इनका कहना था कि पहले रासायनिक हथियार रखने और उनका इस्तेमाल किए जाने से संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए थी अमेरिका ने ईराक पर भी जैविक एवं रासायनिक हथियारों की उपलब्धता संबंधी आशंका के चलते हमला बोला था। ये शरणार्थी जिन देशों में रह रहे हैं, उनमें भी अपनी इस्लामिक कट्टरता के चलते संकट का सबब बने हुए हैं। जर्मनी ने सबसे ज्यादा विस्थापितों को शरण दी थी। अब यही जर्मनी इनके धार्मिक कट्टर उन्माद के चलते रोजाना नई-नई परेशानियों से रूबरू हो रहा है। दरअसल सात अप्रैल 2018 को 70 नागरिकों की रासायनिक हमले से मौत के बाद तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जवाबी कार्रवाई करने का बीड़ा उठाया था। अपनी सनक के चलते उन्होंने इसे अंजाम तक पहुंचा दिया था। इस मामले में तब रूस के एक प्रमुख नेता ने यह कहा भी था कि यह कार्रवाई अमेरिका की ओर से जबरन हस्तक्षेप के रूप में है। परंतु आज यूक्रेन के मामले में रूस जिस प्रकार से कार्रवाई कर रहा है, उसे भी अमेरिका का समर्थन नहीं प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार दो दशक पहले की तुलना में विस्थापन का संकट दोगुना बढ़ गया है। वर्ष 2019 तक आंतरिक रूप से विस्थापितों की संख्या 4.13 करोड़ थी। इनमें से 1.36 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्हें 2018 में ही विस्थापन का दंश झेलना पड़ा था। यह सही है कि विकसित या पूंजीपति देश अपने वर्चस्व के लिए युद्ध के हालात पैदा करते हैं, जैसा कि हम यूक्रेन के परिप्रेक्ष्य में अमेरिका और रूस के वर्चस्व की लड़ाई देख रहे हैं। ये वही देश हैं, जिन्होंने 1993 तक तीसरी परमाणु शक्ति रहे देश यूक्रेन को 1994 में बुडापेस्ट परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर कराकर उसके सभी परमाणु हथियार समुद्र में नष्ट करा दिए थे। अमेरिका और ब्रिटेन ने यूक्रेन को इस समझौते के लिए राजी किया था और इन्हीं देशों के साथ रूस ने भी सहमति जताते हुए यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी ली थी। लेकिन अब रूस ने सीधा यूक्रेन पर हमला बोल दिया और अमेरिका व ब्रिटेन दूर खड़े रहकर न केवल तमाशा देख रहे हैं, बल्कि उसे उकसाकर पूरी तरह बर्बादी के कगार पर पहुंचाने का काम भी कर रहे हैं। यदि यूक्रेन ने अपने परमाणु हथियार नष्ट न किए होते तो उसे शायद युद्ध से पैदा होने वाली इस बर्बादी का सामना न करना पड़ता और न ही उसके 15 लाख से भी ज्यादा नागरिकों को विस्थापन का संकट झेलने को मजबूर होना पड़ता। यही वे अमीर देश हैं, जो सबसे ज्यादा युद्ध व पर्यावरण शरणार्थियों को शरण देते हैं। वर्ष 2015 में सीरिया में जो हिंसा भड़की थी, उससे बचने के लिए लाखों लोगों ने जान जोखिम में डालकर भूमध्य सागर को महिलाओं व बच्चों के साथ पार किया और ग्रीस एवं इटली में शरण ली थी। इन दोनों देशों ने तब कहा था कि समय के मारे शरणार्थियों को आश्रय देने की नीति बनाना आवश्यक है। वेनेजुएला में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता के चलते 40 लाख से ज्यादा लोगों ने पलायन किया है। इनमें से बमुश्किल पांच लाख लोगों को ही औपचारिक रूप से शरणार्थी होने का दर्जा प्राप्त है। युद्ध एवं गृहयुद्ध के हालात के चलते सबसे ज्यादा सीरिया के 67 लाख, अफगानिस्तान के 27 लाख, दक्षिण सूडान के 23 लाख, म्यांमार के सोमालिया के नौ लाख लोग शरणार्थियों के रूप में विभिन्न विकसित देशों के सीमांत इलाकों में शरण लिए हुए है। भारत में बांग्लादेश और म्यांमार के गृहयुद्ध से पलायन करके करीब चार करोड़ लोग घुसपैठ करते हुए यहां रह रहे है। भारत इनकी धार्मिक कट्टरता का संकट भी झेल रहा है। स्थानीय संपदा पर वर्चस्व जमाने के चलते मूल भारतीय नागरिक और इनके बीच खूनी संघर्ष भी देखने में आते हैं। यदि अपने ही देश की बात करें तो यहां कश्मीर में आतंकवाद के चलते पिछले तीन दशकों में पांच लाख हिंदू विस्थापित हुए हैं। विडंबना यह कि एक लंबा अरसा बीतने के बावजूद इनका पुनर्वास नहीं हो पाया है।

महिलाएं अब सशक्त हो रही हैं, क्योंकि वे पितृसत्तात्मक सोच के दायरे से धीरे-धीरे बाहर आ रही हैं

आधी आबादी का सशक्तीकरण एक लक्ष्य मात्र नहीं है, अपितु समानता, सतत विकास, शांति और लोकतंत्र की उपलब्धि के लिए अपरिहार्य तत्व भी है। यदि महिला सशक्तीकरण केवल संवैधानिक प्रविधानों, वैधानिक नियमों एवं महिला केंद्रित योजनाओं के निर्माण तथा क्रियान्वयन का प्रतिफल होता तो संभवतः वैश्विक पटल पर दशकों से खड़ा यह प्रशन कब का समाप्त हो चुका होता। महिला सशक्तीकरण और लैंगिक समानता की प्राप्ति की गति प्रत्येक समाज विशेष की संरचना एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर निर्भर करती है। यह अच्छी बात है कि भारतीय महिलाएं अब सशक्त हो रही हैं, क्योंकि वे सामाजिक व्यवस्था में गहरी पैठ जमाए पितृसत्तात्मक विचारधारा से शनैः शनैः बाहर आ रही हैं। इस कड़ी में देश में महिला अस्तित्व की स्वीकारोक्ति एक सुखद सूचक है। राष्ट्रीय परिवार एवं स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-पांच के आंकड़े बताते हैं कि अब प्रति हजार पुरुषों पर 1020 महिलाओं की उपस्थिति है। लिंगानुपात के आंकड़े यह इंगित कर रहे हैं कि लैंगिक समानता स्थापित करने की दिशा में भारत की गति संतोषजनक है। सशक्तीकरण एक शब्द मात्र नहीं, अपितु अवधारणा है, जिसके मुख्य घटक स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलंबन और नेतृत्व क्षमता का विकास है। स्वस्थ-शिक्षित महिलाएं न केवल अपने अधिकारों के प्रति सजग रहती हैं, अपितु एक स्वस्थ पीढ़ी के निर्माण में अपना योगदान भी देती हैं। स्वस्थ जीवन की प्राप्ति केवल चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धि से संभव नहीं है। यह

स्वच्छ वातावरण के निर्माण से संभव है। महिलाओं के सबलीकरण का द्वार स्वच्छता पर आकर खुलता है। इस सत्यता की स्वीकारोक्ति 15 अगस्त, 2014 को लाल किले की प्राचीर से जब हुई तो महिला सशक्तीकरण की ओर सुदृढ़ पदचाप के स्वर सुनाई दिए। खुले में शौच से मुक्ति महिलाओं के स्वास्थ्य और आत्मसम्मान से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित है। खुले में शौच से बीमारियां फैलने की बात से कम-अधिक सभी परिचित हैं, परंतु इस तथ्य से कम ही लोग परिचित हैं कि यह गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ गर्भस्थ शिशु के लिए खतरनाक हो सकता है। ओडिशा के दो जिलों सुंदरगढ़ और तटीय क्षेत्र खुर्दा की 670 गर्भवती महिलाओं पर किए एक अध्ययन में पाया गया कि शौचालय प्रयोग करने वाली महिलाओं की तुलना में खुले में शौच करने वाली करीब दो तिहाई महिलाओं को प्रसव के दौरान मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसके सुखद परिणाम एनएफएचएस-पांच की रिपोर्ट में सामने आए हैं। बीते पांच वर्षों में नवजात मृत्यु दर प्रति हजार में 29.5 से घटकर 24.9 हुई है। महिला सशक्तीकरण के उस पक्ष की चर्चा करना भी आवश्यक है जिस पर चुप्पी ने देश की लाखों महिलाओं को न केवल अस्वस्थ किया, अपितु उनके सुदृढ़ भविष्य के निर्माण में एक बड़ा अवरोध भी उत्पन्न किया। माहवारी से जुड़ी वर्जनाओं को तोडे की दिशा में उठाए गए सरकार के कदम भविष्य में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र ने मासिक धर्म की स्वच्छता को वैश्विक मुद्दा माना है। विश्वस्तर पर करीब 1.2 अरब महिलाओं को बुनियादी स्वच्छता की सुविधा नहीं मिलती है। 2020 में विश्व भर में 3,42,000 महिलाएं सर्वाइकल कैंसर के कारण मृत्यु को प्राप्त हुईं, जिसका प्रमुख कारण मासिक धर्म में बरती जाने वाली अस्वच्छता है, परंतु अब तस्वीर बदल रही है। एनएफएचएस-पांच की रिपोर्ट बताती है कि पांच वर्ष पूर्व देश में महिलाओं में माहवारी स्वच्छता का प्रतिशत 48.2 था, जो अब बढ़कर 72.3 प्रतिशत हो गया है। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव महिला के स्वास्थ्य पर तो पड़ेगा ही, साथ ही यह महिलाओं में साक्षरता के परिदृश्य को भी प्रभावित करेगा, क्योंकि चौथे राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि लगभग 23 प्रतिशत लड़कियों ने स्कूल छोडे के मुख्य कारण के रूप में मासिक धर्म को सूचीबद्ध किया था। सशक्तीकरण का एक अन्य महत्वपूर्ण घटक आर्थिक सुदृढ़ीकरण है, क्योंकि यह निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करता है। आर्थिक सुदृढ़ता की वृहद अवधारणा में स्वरोजगार, कुटीर उद्योगों की स्थापना तथा भूमि एवं संपत्ति के अधिकार शामिल है। महिला का भूमि और संपत्ति पर अधिकार लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है, जो अंततः विकास की ओर ले जाता है। महिलाओं के नाम संपत्ति होने की अवस्था में पंजीयन शुल्क में छूट होने के बावजूद महिलाओं का संपत्ति पर मालिकाना हक मंथर गति से बढा पितृसत्तात्मक सोच का परिणाम है। इस सोच से निपटने के लिए ही बीते वर्ष उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित 75,000 घरों का मालिकाना अधिकार महिलाओं के नाम किया गया। अध्ययन बताते हैं कि जिन महिलाओं के नाम संपत्ति होती है, वे न केवल घरेलू निर्णयों में भागीदार होती हैं, बल्कि उन महिलाओं की तुलना में अपेक्षाकृत घरेलू हिंसा का कम शिकार होती हैं जिनके नाम संपत्ति नहीं है। वित्तीय शक्तियों पर महिलाओं के प्रत्यक्ष अधिकार उनके आत्मबल में बढ़ोतरी करते हैं। बीते कुछ वर्षों में भारत में महिलाओं के स्वयं के नाम बैंक खातों की संख्या 25.6 प्रतिशत बढ़ी है। भारत की विकास दर को कायम रखने में बचत दर सकल घरेलू उत्पाद का 33 प्रतिशत है, जिसमें 70 प्रतिशत घरेलू बचत का योगदान है। इसमें संदेह नहीं कि भारत की अर्थव्यवस्था महिला केंद्रित है। कुल मिलाकर महिलाएं अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता, उत्पादक, कर्मचारी और उद्यमियों का स्थान ग्रहण कर रही हैं। पुलिस, सेना, इंजीनियरिंग, वित्त-व्यवसाय आदि क्षेत्रों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ रही है। यही सशक्त भारत की वह तस्वीर है, जिसकी स्वीकृति नवीन आत्मनिर्भर भारत की कहानी लिखेगी।

संक्षिप्त समाचार

किसान नेता राकेश टिकैत को झटका एग्जिट पोल में जमकर मिलीं भाजपा को सीटें

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में एक साल तक दिल्ली-एनसीआर के चारों (शाहजहांपुर, टीकरी, सिंघु और गाजीपुर) बार्डर पर चला किसान आंदोलन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2020 में बेअसर साबित रहा है। इसकी तस्दीक सोमवार को जारी तमाम टेलीविजन न्यूज चैनलों के एग्जिट पोल भी कर रहे हैं। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वे में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में भारतीय जनता पार्टी को 334 सीटें मिल रही हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के वैश्विक अध्ययन केंद्र के इस सर्वे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 58 सीटों पर भाजपा को 50 सीटें मिल रही हैं, जबकि इस इलाके को किसान आंदोलन के असर वाला क्षेत्र कहा गया था। बावजूद इसके इस सर्वे में साफ जाहिर हो रहा है कि राकेश टिकैत और किसान आंदोलन दोनों यहां पर बेअसर रहे। दिल्ली विश्वविद्यालय के एग्जिट पोल/सर्वे में भी उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन रही है। हैरानी की बात है कि दिल्ली-एनसीआर में सालभर प्रदर्शन कर लोगों की जिंदगी मुहाल करने वाले किसान आंदोलन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी बेअसर है। भाजपा को इस क्षेत्र में 58 सीटों में से 50 से अधिक सीटें हासिल हो रही हैं। बता दें कि किसान आंदोलन शुरू होने के साथ ही किसान नेता राकेश टिकैत लगातार भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर रहे हैं।

शहडोल संभाग में किसी भी स्थिति में पेयजल संकट पैदा न हो- कमिश्नर

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 07 मार्च 2022- कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा ने शहडोल संभाग में किसी भी स्थिति में पेयजल संकट पैदा न हो इसके लिए सजग और सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। कमिश्नर ने कहा है कि पेयजल संकट वाले ग्रामों को चिन्हित किया जाए तथा प्राथमिकता के साथ ऐसे चिन्हित गांव में पेयजल की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहडोल संभाग के दूर दराज के क्षेत्रों में पेयजल की माकूल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जनपद पंचायत स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करना सुनिश्चित करें, कंट्रोल रूम में शिकायत पंजी संधारित करें ताकि हैंडपंप खराब होने की शिकायतें दर्ज की जा सकें तथा शिकायत दर्ज होने के बाद तत्काल संबंधित गांव में पहुंच कर हैंडपंप की मरम्मत अमले द्वारा कराना सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा आज संभाग स्तरीय पेयजल व्यवस्था की बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थें। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश सहित जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा ने शहडोल संभाग में जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिए तालाबों एवं अन्य जल संरचनाओं की साफ-सफाई, गहरीकरण एवं जीणोद्धार के लिए अभियान चलाने के निर्देष दिए है। कमिश्नर ने निर्देशित करते हुए कहा है कि ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारी शहडोल संभाग में कहा-कहा तालाबों का निर्माण जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किया जा सकता है इसकी जानकारी एक सप्ताह में कमिश्नर कार्यालय

में उपलब्ध कराए। कमिश्नर ने निर्देश दिए है कि शहडोल संभाग में पेयजल एवं निस्तारी जल की समुचित व्यवस्था के लिए पुरानें तालाबों एवं जल संरचनाओं की मरम्मत कराना भी सुनिश्चित करें। तालाबों और स्टॉप डेमों में बेशरम की झाडियां, गाद एवं मिट्टी को निकलना सुनिश्चित करें तथा जल संरचनाओ का गहरीकरण कराना सुनिश्चित करें तथा प्रगति की रिपोर्ट हर सप्ताह भेजना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में फर्जी ऑकड़े नही भेजें। उन्होंने कहा है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण पर रहेंगे तथा कार्य की प्रगति का सतत अवलोकन करते रहेंगे। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शासन द्वारा पुष्कर धरोहर, सरोवर योजना कार्यक्रम चलाया जा रहा है इस कार्यक्रम का प्रभावी एवं परिणाममूलक क्रियानवयन शहडोल संभाग में होना चाहिए। कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुष्कर धरोहर सरोवर योजना की कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियानवयन सुनिश्चित कराएं। बैठक में कमिश्नर ने निर्देश दिए कि शहडोल संभाग में पेयजल की माकूल व्यवस्था हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में जहां संभव हो वहा पर नवीन कुओं का निर्माण भी करना सुनिश्चित कराएं। बैठक में कमिश्नर ने जिलेवार ग्रीष्मऋतु में पेयजल व्यवस्था की, तैयारियों की समीक्षा की। कमिश्नर द्वारा जल संसाधन विभाग के कार्यो की भी समीक्षा की गई। बैठक में अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा एस, सी, चौधरी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

घर मे प्रिन्टर मशीन से नकली नोट छापने वाला युवक गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। पुलिस ने प्रिंटर की मदद से घर के अंदर जाली नोट छापने के आरोपी युवक को गिझौड़ से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 4750 नकली रुपये, अधबने नोट और प्रिंटर बरामद हुआ है। वह रात में इन नोट को बाजार में चलाता था। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। नोएडा जोन के एसीपी-2 रजनीश वर्मा ने बताया कि रविवार को सेक्टर-24 थाना पुलिस की टीम ने सूचना के आधार पर सेक्टर-53 सर्विस रोड से एक आरोपी को नकली नोटों के साथ पकड़ा गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी की पहचान बिहारी कॉलोनी गिझौड़ निवासी जानकी यादव के रूप में हुई। आरोपी मूल रूप से तरबगंज गोंडा का रहने वाला है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह काफी दिन से गिझौड़ में किराये के मकान में रहता है। वह असली नोट की फोटोकॉपी करके नकली नोट तैयार करता है और उनको बाजार में चलाता है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके कमरे से एक प्रिंटर, 4750 रुपये के नकली नोट, 590 रुपये के असली नोट, 99 पेपर पर नकली 198 अधबने नोट, दो रिम कागज बरामद किए हैं। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ सेक्टर-24 थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है। आरोपी जानकी यादव पिछले तीन माह से नोएडा में काम कर रहा था। वह अब तक लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये के नकली नोट छाप चुका था। वह अपने पांच साथियों के साथ पहले भी गजियाबाद के खोड़ा में नकली नोट छापते हुए पकड़ा गया था। जेल से छूटने के बाद उसने नोएडा में यह काम शुरू कर दिया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अधिकतर पचास रुपये के नकली नोट कलर प्रिंटर के माध्यम से असली नोट की कॉपी करके छापता था। छोटे नोट होने के कारण वह इन नोटों को अधिकतर शाम के समय बाजार में चलाता था जिसके कारण ये आसानी से चल जाते थे। पुलिस ने बरामद 50 रुपये के नोट को पानी में डुबोया तो नोट का पूरा रंग निकल गया और सफेद कागज रह गया। आरोपी से हुई पूछताछ में पता चला है कि इस गैंग का मुख्य संचालक गोंडा निवासी अर्जुन गोस्वामी है। वह वर्ष 2019 में खोड़ा में पकड़ा गया था और फिलहाल गोंडा जेल में बंद है।

एनआईआरडीपीआर ने सरस मेले में ग्रामीण उत्पादों को ईमार्केटिंग से प्रमोट करने के गुर सिखाए

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 33ए नोएडा हाट में सरस मेले के दौरान सोमवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित मेले में राष्ट्रीय ग्राम विकास एवं पंचायती राज संस्थान ने सभी राज्यों के स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को ई मार्केटिंग तथा सोशल मीडिया के जरिए प्रमोट करने के तरीके बताए। यहां रश्मि परमार ने सभी को फोन पे, गूगल पे, तथा पेटीएम से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने सभी को फेसबुक, इंस्टाग्राम तथा अमेजॉन सहेली की भी जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर रुचिरा भट्टाचार्य ने किया। इस अवसर पर संस्थान के सहायक निदेशक चिरंजीलाल कटारिया, शोध अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, रामगोपाल तथा सुरेश प्रसाद आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला में 78 सहायता समूहों ने भाग लिया। सरस मेले के दसवें दिन कर्नाटक, महाराष्ट्र,ड केरल तथा पश्चिम बंगाल के उत्पादों की जमकर खरीदारी हुई। कर्नाटक में विजयनगर की शारदा बाई द्वारा संचालित श्री सेवालाल स्वयं सहायता समूह के उत्पाद नोएडा वासियों को खूब पसंद आ रहे है। जिनमें लंबानियां ड्रेस हाथ की बनी हैंड पर्स, बैग तथा काटन व लेदर के पर्स शामिल है। सुकन्या द्वारा संचालित श्री शारदा देवी स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में वुडन टॉयज तथा हैंड वर्क शामिल है। श्रीराम आत्मा स्वयं सहायता समूह ने यहां हेयर ऑयल, कॉपर ब्रास, हैंड बैंड, पीनट कोकोनट तथा मस्टर्ड ऑयल को मेले में उतारा है। रामनगर की स्वाति शालिनी ने

महालक्ष्मी सरस्वती स्वयं सहायता समूह के माध्यम से हर्बल हेयर प्रोडक्ट्स को मेले में उतारा है। इनके उत्पादों में हैंडीक्राफ्ट ब्रेसलेट, रिंग, कड़े माइग्रेन ऑयल, जंगली लहसुन तथा अदरक से बना बॉडी पैन आयल शामिल है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर से शीतल सागर महालक्ष्मी स्वयं सहायता समूह का संचालन करती है। इनके उत्पादों में कोल्हापुरी लेदर चप्पल शामिल है। कोल्हापुर से ही माधुरी सतपुति के अदिति महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में लेदर की बेल्ट तथा बैग शामिल है। अहमदनगर के क्रांतिज्योति स्वयं सहायता समूह ने स्पेशल जम्बो बांगड़ी पेड़ा, कंदी पेड़ा, सटाणा तथा चांदवड पेडा. बाजार में उतारे हैं। समूह का संचालन अर्चना संदीप करती है। माय महिला स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में गाय का शुद्ध देसी घी तथा अचार शामिल है। सुनीता बारी द्वारा संचालित जय संतोषी माता स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में बनाना चिप्स, रागी के पापड़, लहसुन पापड़ तथा बिना बीज का मुनक्का शामिल है। नागपुर के श्री छत्रपति महाराज स्वयं सहायता समूह ने ज्वेलरी तथा अगरबत्ती को बाजार में उतारा है। पश्चिम बंगाल की नमिता विश्वास ने प्रतिभा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से सैल और जूट के आइटम को मेले में सजाया है। नोदिया जिले की रिंकी चक्रवर्ती नें प्रजापति स्वयं सहायता समूह का स्टॉल लगाया है। इनके उत्पादों में हेमस थइल साड़ियां शामिल है। कोलकाता के टिस्टा स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में जूट का कोल्हापुरी जूता तथा मेट उपलब्ध है। जबकि कुश का जूता तथा कथा स्टीज साड़ी, दुपट्टा भी उपलब्ध है। बिलासपुर की वीना मलिक का स्वर्ण जयंती महिला दल स्वयं सहायता समूह ने खुशबूदार तुलेपणजी राइस को मेले में उतारा है जो स्वादिष्ट तथा पौष्टिक है। केरल के त्रिशूर से हरिदा स्वयं सहायता समूह के हर्बल उत्पाद उपलब्ध हैं। वायनाड की फसीला के सहृदया स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में शहद, अचार, मसाले तथा चावल के लड्डू शामिल हैं। सुधरमा के दर्शना स्वयं सहायता समूह के उत्पादों में केरला स्पाइस तथा इडुक्की स्पाइस उपलब्ध है। मल्लीपुरम की मंजुला स्प्रिंग स्वयं सहायता समूह का संचालन करती है। इनके उत्पादों में कोकोनट चिप्स तथा कोकोनट मिल्क शामिल है। पालेगढ़ की सुप्रिया तनम्या स्वयं सहायता समूह का संचालन करती है। इनके उत्पादों में जैक फूड प्रोडक्ट शामिल है। जिनमें बनाना, हलवा, केले के चिप्स तथा कटहल का हलवा उपलब्ध है।

वन नेशन वन राशन कार्ड जागरूकता अभियान शहडोल जिले में जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। शहडोल 07 मार्च 2022- जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री कमलेश टाण्डेकर ने जानकारी दी

है कि वन नेशन वन राशनकार्ड अंतर्गत जागरूकता अभियान खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा वन नेशन वन राशन कार्ड अंतर्गत श्रमिकों को जागरूक करने का अभियान जारी है। श्रीमती दीप्ति सिंह कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं श्री सुशील सेन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा तहसील सोहागपुर में मेसर्स अपैक्स इस्ट्राक्चर प्रा0 लि0 (गुरुकुलम आवासीय विद्यालय, भवन का निर्माण, ग्राम हर्री) भवन निर्माण श्रमिकों को जागरूक किया गया। वन नेशन वन राशन कार्ड योजना में श्रमिक एवं ऐसे लोग जो अन्य राज्यों से यहां आकर कार्य कर रह है अथवा यहां के ऐसे श्रमिक जो बाहर के राज्यों में जाकर काम करते हैं उन्हें उनके रहवास स्थल पर खाद्यान्न एवं शासन की विभिन्न योजना संबंधित सहायता उपलब्ध होगी।

कांग्रेस के साथ जनता लिखेगी मध्यप्रदेश के सुनहरे भविष्य की दास्तां- विनोद ताम्रकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

ब्योहारी। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह के आवाहन पर एवं संगठन प्रभारी राजेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्योहारी अध्यक्ष विनोद ताम्रकार के नेतृत्व में 28वें दिन सोमवार को ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र के खामडाढ़ में घर चलो घर घर चलो अभियान चलाया गया एवं घर घर जाकर आम नागरिकों से संवाद कर भाजपा के भ्रष्टाचार महिला उत्पीडन बाल आपराध माफिया राज जैसे कई काले कारनामों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया एवं कांग्रेस पार्टी की रीति नीति को घर घर जाकर आम जनता से कांग्रेस पार्टी के जनहितैषी विचारों व आम जन मानस के न्याय की लड़ाई लड़ने के कार्य को जन जन तक पहुंचाया गया जहां एक ओर आम जनता भीषण महंगाई की मार झेल रही है वहीं दूसरी तरफ युवा बेरोजगारी से भटक रहा है किसान हताश है व्यापारी बदहाल है भाजपा राज में हर वर्ग हर तपका पीडित है और भाजपा के कुशासन से मुक्ति चाहता है और आगामी चुनाव में भाजपा के कुशासन को जड़ से उखाड़ फेंकने का कार्य मध्यप्रदेश की जनता करने वाली है अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा चालाए जा रहे सदस्यता अभियान को सफल बनाने हेतु घर घर जाकर आमजन मानस को कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जोड़कर सदस्यता दिलाई गई व कमलनाथ के आदेशानुसार हर बूथ

पर एक महिला व एक पुरूष को डिजिटल सदस्यता दिलाई गई व कमलनाथ द्वारा जारी पम्पलेट का वितरण किया गया अभियान के दौरान मुख्य रूप से यह रहें उपस्थित संगठन महामंत्री हरिशंकर कोरी चमनलाल खैरवार असरफ खान आईटीसेल कांग्रेस अध्यक्ष आयुष ताम्रकार बिहारी लाल पंकज कुशवाहा सुषमा खैरवार मुनने बाई अनारकली सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व आम जन मानस उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला चेकअप कैम्प का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सखी वन स्टाप सेन्टर सेक्टर 62 पर सेन्टर प्रभारी शान्वी वानो के नेतृत्व मे महिला चेकअप का कैम्प लगा। जिसमें इमो पावर

इण्डिया फार वर्क फाउन्डेशन एवं मैक्स हेल्थ केयर के सहयोग से यह कैम्प लगा हुआ था। जिसमे जिला प्रोवेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी की उपस्थिति भी रही। इमो पावर इण्डिया फार वर्क फ़ाउन्डेशन की कीर्ति माथुर ने हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से बात चीत में बताया कि हम एन जी ओ इस तरह के कैम्पों को लगा कर गरीब असहाय महिलाओं को चेक अप कराना उनकी हर प्रकार की मदद करना है। मैक्स अस्पताल की डा बैशाली सिंह ने बताया कि आज यहाँ पर सैकडों महिलाओं के आख की च जाच हुई उनको निशुल्क दवाइयां और परामर्श दिया गया। सेन्टर की प्रभारी शान्वी वानो बताया कि सेन्टर के आस पास की स्लम बस्तियों की महिलाओं को उचित चेक अप नही हो पाता है उन्हें हम उनके घर घर जाकर कार्यक्रम के बारे मे बताया और वे सभी महिलाएं नियमित आकर उचित परामर्श और चेक अप कराती है। यह सेन्टर बनने से यहाँ की गरीब महिलाओं को उचित चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएँ मिल पाती है। जिला प्रोवेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने बताया कि हम लोग आऐ दिन इस तरह के कैम्पों का आयोजन करते रहते है जिससे महिलाओं को उचित चिकित्सा मुहैया हो पाती है ।

मोबाइल देखकर दो नाबालिग लड़कियों संग छह बच्चों ने किया सामूहिक दुष्कर्म, बिहार के शेखपुरा में स्तब्ध कर देने वाली वारदात

शेखपुरा। मोबाइल किस कदर बच्चों के दिमाग में जहर घोल रहा है इसकी बानगी बिहार के शेखपुरा जिले में सामने आई है। यहां कम उम्र के बच्चों ने जिस तरह से सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है, वह स्तब्ध करने वाली है। यहां नौ साल की दो बच्चियों के साथ छह बच्चों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपित लड़कों की उम्र नौ से 12 वर्ष के बीच है। घटना बरबीघा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ा है। पकड़े गए बच?चों ने बताया कि मोबाइल में देखकर उनलोगों ने इस तरह का काम किया है। इस बाबत एक पीड़ित बच्ची की दादी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें बताया है कि उनकी नौ वर्षीय पोती अपनी हमउम्र सहेली के साथ बथुआ साग तोड़ने गई थी। वहां से जब पोती लौटकर आई तो उसकी

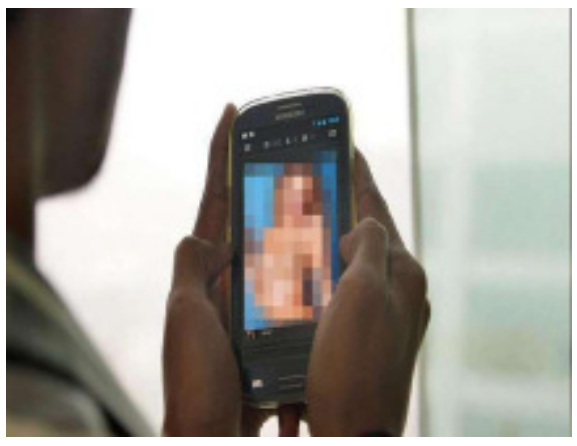

हालत देखकर सभी सन्न रह गए। वह रो रही थी। उसने बताया कि छह लड़कों ने उसके और सहेली के साथ खेत में गंदा काम किया। इसके बाद मुझे तीन रुपये और सहेली को पांच रुपये दिए। उनमें से एक लड़का पड़ोस का था। जब शिकायत करने उसके घर गई तो उसके स्वजनों ने गालीगलौज कर भगा दिया। रात अधिक होने के कारण थाने नहीं गई। मंगलवार सुबह ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद गांव के लोगों ने दो लड़कों को पकड़ा। तब उन्हें लेकर थाने पहुंची। थानाध्यक्ष जयशंकर मिश्रा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दो बच्चे पुलिस अभिरक्षा में हैं। उन्होंने बताया कि आरोपित लड़कों ने बताया कि मोबाइल पर गंदी फिल्में देखकर उनलोगों ने यह किया है। लड़कियों की मेडिकल जांच कराई जाएगी। अन्य आरोपितों की खोजबीन की जा रही है। बहरहाल जिस तरह की ये घटना हुई है, वह चिंताजनक है। कम उम्र के बच्चों में जिस तरह मोबाइल की वजह से अपराध की भावना बढ़ रही हैं, जिस तरह से वे गलत रास्ते पर जा रहे हैं, यह अभिभावकों की लापरवाही भी दर्शाती है।

25 मार्च तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर रहे लोग के वाई सी कराए

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भारत सरकार एवं जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल0वाई0 के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतम बुद्ध नगर ने जनपद के समस्त कृषकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त कर रहे जनपद के समस्त लाभार्थी कृषक एवं नया पंजीकरण करा रहे कृषकों द्वारा स्वयं या जन सुविधा केंद्र जाकर पी0एम0 किसान पोर्टल पर व्यवस्था अनुसार दिनांक 25 मार्च तक के वाई सी पूर्ण करायें। उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थी कृषकों का आधार प्रमाण के लिए नया लिंक के वाई सी के नाम से पोर्टल पर खोल दिया है। पोर्टल पर दिये गये लिंक के वाई सी पर जाकर आधार नंबर भरने के पश्चात रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर भरेंगे तदपश्चात मोबाइल पर प्राप्त ओ टी पी भरने के बाद आधार के साथ लिंक मोबाइल नंबर पर ओ टी पी प्राप्त होने के पश्चात के वाई सी कार्य पूर्ण होगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त कर रहे कृषकों तथा नये पंजीकरण करा रहे लाभार्थियों द्वारा के वाई सी 25 मार्च तक पूर्ण कराना अनिवार्य है ।यदि कृषकों द्वारा उक्त अवधि में के वाई सी कार्य को पूर्ण नहीं किया गया तो माह अप्रैल में आने वाली किस्त से वंचित होना पड़ेगा। उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

कपिल शर्मा ने अपने शो में फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के प्रमोशन के लिए नहीं किया इनवाइट डायरेक्टर ने कॉमेडियन को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। 'द तशकंद' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले विवेक अग्निहोत्री इन दिनों अपनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज डेटे के एलान के बाद से निर्माता काफी जोर-शोर से फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। अब उन्होंने एक फैंस के सवाल का जवाब देते हुए चौकाने वाला खुलासा करते हुए बताया है कि कॉमेडी शो होस्ट कपिल शर्मा ने उनकी फिल्म द कश्मीर फाइल्स को प्रमोट करने के लिए इनवाइट नहीं किया है। दरअसल एक यूजर विवेक अग्निहोत्री को टैग करते हुए किया था, जिसमें यूजर ने कहा, विवेक सर इस फिल्म को कपिल शर्मा के शो पर प्रमोट करना चाहिए। यूजर के ट्वीट पर अपना जवाब देते हुए फिल्म निर्माता ने ट्वीट कर लिखा, ये मैं तय नहीं कर सकता, कि उनके शो में किसको आमंत्रित किया जाना चाहिए। ये उनकी और उनके शो निर्माताओं की पसंद है कि वो किसको शो पर बुलाना चाहते हैं। जहां तक बॉलीवुड का सवाल है, मैं वो कहूंगा जो एक बार मिस्टर बच्चन ने गांधी परिवार के बारे में कहा था- वो राजा हैं हम रंक। वहीं, अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, यहां तक कि मैं उनका एक फैन हूं। लेकिन ये सच है कि उन्होंने हमें अपने शो पर बुलाने के लिए इनवाइट नहीं किया हैं। क्योंकि फिल्म में कोई बड़ा स्टार नहीं है। बॉलीवुड में नॉन स्टार्टर

डायरेक्टर्स, राइटर्स और अच्छे एक्टर्स को बाकियों की तरह सम्मान नहीं दिया जाता है। साथ ही उन्होंने फिल्म की प्रशांसा करने वालो का धन्यवाद भी किया है। ये फिल्म 80 के दशक के अंत और 90 के शुरुआती सालों में कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की हत्या और अत्याचार पर आधारित है। फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आने वाले है। विवेक अग्निहोत्री द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म का निर्माण जी स्टूडियो, तेज नारायण अग्रवाल, आई एम बुद्ध और अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स बैनर तले किया गया है। आपको बता दें, ये फिल्म पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन देश में लगातार बढ़े रहे कोरोना केसेस को ध्यान में रखते हुए फिल्म निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया। अब फिल्म 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'मदर इंडिया' से 'गुंजन सक्सेना' तक, इन फिल्मों में दिखी महिला सशक्तिकरण की असली तस्वीर

नई दिल्ली। 8 मार्च को पूरी दुनियाभर में महिलाओं को सम्मिनित करने और उनके योगदान को याद करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। इसके साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उनके हौसले बुलंद करने के नजरिए से भी इस दिन का काफी महत्व है। ऐसे में बॉलीवुड ने भी कई सारी ऐसी फिल्में बनाई हैं जो महिला प्रधान हैं। जिनमें श्री देवी, कंगना रनोट और विद्या बालन जैसी कई बड़ी अभिनेत्रियों ने सशक्त भूमिका निभाई है। ये फिल्में महिलाओं के प्रति समाज की सोच व नजरिया बदलने में कारगर साबित हुई हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ऐसी ही कुछ फिल्मों के बारे में बात करेंगे। नेटफ्लिक्स की इस फिल्म में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। जो कि एक निडर युवा अधिकारी गुंजन सक्सेना के जीवन से प्रेरित है। जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान युद्ध क्षेत्र में उड़ान भरने वाली पहली भारतीय महिला वायु सेना अधिकारी बनकर इतिहास रच दिया। यह फिल्म फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना की बॉयोपिक है। थप्पड़ में तापसी पन्नू लीड रोल में नजर आई थीं। जो कि एक हाउस वाइफ के किरदार में थीं। फिल्म में तापसी का कैरेक्टर अमृता अपनी घर-गृहस्थी को संभालने और एक परफेक्ट पत्नी बनने के लिए अपने सपनों को पीछे छोड़ देती है। लेकिन अमृता की जिंदगी तब बदल जाती जब इतना सब करने के बाद भी उसका पति उस पर हाथ उठाता है। यह फिल्म

घरेलू हिंसा के खिलाफ लोगों की सोच बदलने की अच्छी कोशिश करती हैं, भले ही वह एक थप्पड़ ही क्यों ना हो। दिवांगत अभिनेत्री श्रीदेवी की साल 2012 में आई ये फिल्म एक ड्रामा कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में श्रीदेवी एक घरेलू महिला शशि का किरदार निभाया है। जो परिवार के लिए सबकुछ करती है, लेकिन सिर्फ अंग्रेजी न आने के कारण उसे अपने मार्डन बच्चों और हाई-फाई पति के साथ ताल-मेल बिठाने में दिक्कत होती है और कई बार इस वजह से उसे घर में अपमानित भी होना पड़ता है, लेकिन बावजूद इसके वह हीन भावना का शिकार नहीं होती और अंग्रेजी सीख सबको हैरान कर देती है। फिल्म में दिखाया गया है कि मौका मिलने पर एक महिला सब कुछ करने के लिए सक्षम होती है। 'क्वीन' में एक्ट्रेस कंगना रनोट ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उनकी किरदार एक सिंपल लड़की का है, जो अपनी शादी टूट जाने के बाद भी हनीमून पैकेज पर अकेले ही विदेश में सिर्फ घूमने के लिए चली जाती है और इस दौरान वह पहली बार घर से दूर दुनिया को एक्सप्लोर करती है और इस दौरान वह पहले से कही ज्यादा मजबूत और इंडीपेंडेंट हो जाती है। बॉलीवुड की यह फिल्म सालों पुरानी है लेकिन महिला सशक्तिकरण की बात जब भी होती है तो 'मदर इंडिया' का जिक्र जरूर होता है। 1957 में आई महबूब खान द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में नर्गिस, सुनील दत्त, राजेंद्र कुमार और राज कुमार मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह गरीबी से पीडित गांव में रहने वाली औरत राधा की कहानी है जो कई मुश्किलों का सामना करते हुए अपने बच्चों का पालन पोषण करने और बुरे जागीरदार से बचने के लिए कड़ी मेहनत करती है।

अरबाज खान की गर्लफ्रेंड ने बिना पैंट पहने सिर्फ जैकेट में कराया बोल्ड फोटोशूट, तस्वीर इंटरनेट पर मचा रही बवाल

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान इंडस्ट्री के इन स्टार्स में से हैं जो प्रोफेशनल लाइफ से कहीं ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ

को लेकर चर्चा में रहते हैं। बीते काफी वक्त से अरबाज अपनी गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी संग रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। जॉर्जिया और अरबाज को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता है। वहीं जॉर्जिया को अरबाज के फैमिली फंक्शन के भी साथ देखा जाता है। जॉर्जिया एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर करती हैं। इसी बीच जॉर्जिया की एक बोल्ड तस्वीर इंटरनेअ पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर को देखकर फैंस हैरान हैं। यहां देखें तस्वीर एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक लेटेस्ट तस्वीर पोस्ट की हैं। उनकी ये हॉट तस्वीर इंटरनेट पर बवाल मचा रही है। इस तस्वीर में जॉर्जिया डेनिम जैकेट में नजर आ रही हैं। लेकिन देखने वाली बात ये है कि उन्होंने इस जैकेट के साथ नीचे पैंट नहीं पहनी है। वहीं अपने इस लुक को कॉम्पलिमेंट करने के लिए उन्होंने रेड कलर का चश्मा लगाया हुआ है। वहीं जॉर्जिया एक स्पोर्ट्स कार के साथ पोज देती दिख रही हैं। इस दौरान उनके पोज देने का अंदाज बेदह ही कातिलाना है। इस तस्वीर को इंटरनेट पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं इस पर कमेंट कर लगातार फैंस अपनी इसे लाइक करने के साथ ही इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस पर एक फैन ने लिखा, ओएमजी फायर।' दूसरे ने लिखा, हद से ज्यादा हॉट।' वहीं अन्य यूजर्स ने तो फायर इमोजी की बरसात कर दी है। गौरतलब है कि अरबाज खान एक्स वाइफ पत्नी मलाइका अरोड़ा को तलाक देने के बाद जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे हैं। अरबाज और जॉर्जिया की उम्र में 22 साल का लंबा फासला है। जहां अरबाज 52 साल के हैं वहीं जॉर्जिया 30 की। जहां अरबाज, जॉर्जिया को डेट कर रहे हैं। वहीं मलाइका अरोड़ा एक्टर अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं।

पायरल रोहतगी को नहीं पता देश के राष्ट्रपति का नाम सवाल पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने दिया ऐसा रिएक्शन

नई दिल्ली। पायल रोहतगी बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो अक्सर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलती रहती हैं। वह खुद को देशभक्त के तौर पर हमेशा से सोशल मीडिया के जरिए पेश करती रहती हैं। पायल रोहतगी इन दिनों

अभिनेत्री कंगना रनोट के डिजिटल रियलिटी शो लॉक अप का हिस्सा है। इस शो में वह अपने खेल और रणनीति की वजह से भी काफी सुर्खियों में हैं। लेकिन सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर बेबाकी से बोलने वाली पायल रोहतगी को भारत के राष्ट्रपति का नाम नहीं पता है। इस बात का खुलासा लॉक अप में हुआ है। दरअसल कंगना रनोट के शो में इन दिनों ब्लू और ओरेंज कलर की टीम में कंटेस्टेंट्स बंटे हुए है। इन कंटेस्टेंट्स को हर दिन नए टास्क दिए जाते हैं। सोमवार को शो में जनरल नॉलेज और स्ट्रेंथ को लेकर टास्क करवाया गया। इस टास्क में कंटेस्टेंट्स ने एक-दूसरे से जनरल नॉलेज से जुड़ा सवाल किए। वहीं जिस कंटेस्टेंट्स ने गलत जवाब दिया तो उसको ज्यादा से ज्यादा वजन उठाना पड़ा। इस दौरान ब्लू और ओरेंज टीम एक-दूसरे से पूछती है कि भारत के राष्टपति कौन हैं सारा खान, निशा रावल, पूनम पांडे और पायल रोहतगी, टीम के किसी भी सदस्य को सही जवाब नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि पायल, जो राजनीति पर अपने विचारों और भारत के प्रति अपने प्यार को लेकर इतनी मुखर रही है। उन्हें भी इसका जवाब नहीं पता था। इतना ही नहीं राष्ट्रपति से जुड़ा सवाल पूछे जाने पर वह बिल्कुल बेखबर दिखती है। इसके अलावा पायरल रोहतगी को ट्विटर पर कितने वर्ड काउंट होते हैं, इसका भी सही जवाब नहीं पता था। बात करें कंगना रनोट के शो लॉक अप की तो कंगना रनोट के नए शो लॉक अप में पहला वीकेंड काफी धमाकेदार रहा। कंगना ने जहां कुछ कंटेस्टेंट्स की जमकर क्लास लगाई, वहीं कुछ की दर्दभरी कहानी दुनिया को पता चली। लॉक अल से सनडे एपिसोड में स्वामी चक्रपाणि महाराज को विदाई दे दी गई। स्वामी जी शो से बाहर जाने वाले पहले कंटेस्टेंट हैं। अब कंगना रनोट की जेल में 12 कंटेस्टेंट्स बचे हैं। इस शो का आगाज हुआ है। जिसमें सभी कंटेस्टेंट्स को दर्शकों से रूबरू करवाया गया था। इन कंटेस्टेंट्स को 10 हफ्ते के लिए लॉक कर दिया जाएगा और उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए लड़ना होगा।

एक्टिंग से दूर उदय चोपड़ा का हुआ ऐसा हाल सालों बाद 'मोहब्बतें' एक्टर को पहचानना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली। ?बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री ऐसी है जहां पर कब कौन रातों रात चमक जाए पता नहीं चलता। वहीं कब कौन सा सितारा गायब हो जाए इस बात का अंदाजा लगाना भी काफी मुश्किल है। एक ऐसा ही स्टार्स है जो कई सुपरहिट फिल्मों में काम करने के बाद भी आज इंडस्ट्री से गायब है। हम बात कर रहे हैं 'मोहब्बतें' और 'धूम' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके बॉलीवुड एक्टर उदय चोपड़ा की। बीते कई सालों से उदय लाइम लाइट से दूर हैं। वहीं हाल ही में उदय चोपड़ा को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है। इस दौरान उनका लुक इतना बदल गया कि उन्हें पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा था। उनके बदले लुक को देखकर हर कोई हैरान है। एक्टर उदय चोपड़ा हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। इस दौरान की उनकी कई तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में जब उन्हें गौर से देखने के बाद ही उदय को पहचान पाया गया। लेटेस्ट तस्वीरों में उदय का वजन काफी बढ़ा हुआ दिख रहा है। उनका वजह इतना ज्यादा बढ़

गया है कि वह बेहद ही अजीब दिख रहे थे।तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि उदय डेनिम जींस के साथ ग्रे कलर की टी-शर्ट और शूज पहने हुए थे। इसके साथ ही उन्होंने यलो कलर के गॉगल्स लगाए हुए थे। वहीं उनके हाथों में एक फाइल नजर आ रही थी। साथ ही उन्होंने मास्क लगाया हुआ था। वहीं उनके कंधे पर एक ट्रेवल बैग भी साफ देखा जा सकता है।

शिवांगी जोशी के स्ट्रगल की कहानी एक्टिंग को करियर चुना तो रिश्तेदारों ने बंद कर दिया था बात करना

नई दिल्ली। स्टार प्लस के पॉप्युलर सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में नायरा के किरदार से दर्शकों का दिल जितने वाली अभिनेत्री शिवांगी जोशी ने इस से एक्सक्लूसिव बातचीत में अपने स्ट्रगल से लेकर महिलाओं के बदलते रूप को लेकर खुलकर बातचीत की है। शिवांगी कहती है मेरी प्रेरणा मेरी मां है और वह इस दुनिया की सबसे स्ट्रॉग महिला है। वह जब मुझे लेकर मुंबई आयी थी तब कई रिश्तेदारों ने उन पर गुस्सा करते हुए कहा था कि कहा बेटी को मुंबई डाक्टर या इंजीनियर बनाने नही बल्कि एक्टिंग कराने ले जा रही हो। मत जाओ नही तो पछताओगी। शिवांगी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए बताती है कि कई रिश्तेदारों ने तो यहां तक की उस वक्त हमसे बात तक करना बंद कर दिया था लेकिन अब वही लोग न सिर्फ बहुत अच्छे से खुद बात करते है बल्कि कहते है कि एक्टिंग अच्छा करियर है हमारे बच्चे को भी एक्टिंग करियर

बनवाने में मदद करो। मेरी सक्सेस के साथ रिश्तेदारों का बात करने का ढंग ही बदल गया है। शिवांगी हंसते हुए पुराने दिनों को याद करती हुई कहती है कि मैंने और मेरी मां दोनों ने साथ -साथ स्ट्रगल किया है। मेरी माँ जिस तरह पूरे परिवार को छोड़ मेरा करियर बनाने मुझे मुंबई लेकर आई थी और यह हमारे स्ट्रगल का सबसे बड़ा पड़ाव था और इसके बाद मुंबई में काम ढूढने का स्ट्रगल शुरू हुआ। शुरुआत में ढेर सारे ऑडिशन दिए तब जाकर 'बेगुसराय' सीरियल से छोटे पर्दे पर एंट्री मिली। शिवांगी कहती है कि मैं खुद छोटे शहर से हूं और आज भी कई छोटे शहरों में सिर्फ लड़कियों के लिए एक्टिंग को खराब प्रोफेशन माना जाता है जबकि अगर लड़का कहता है कि मुझे मुंबई जाना है एक्टिंग में करियर बनाना है तो घरवाले आसानी से भेज देते है लेकिन जब बात लड़की की आती है तो यह परिभाषा बदल जाती है मैं इस पर चाहती हूँ कि ये बदलाव हो कि जिस तरह कोई भी प्रोफेशन चुनने या किसी भी शहर में काम करने को लेकर परिवार लड़के को छूट देता है ठीक वैसे ही लड़कियों को भी मिलनी चाहिए।

शो से इस खास कैरेक्टर ने रातों रात लिया एक्टिंग से ब्रेक, सामने आई चौंकाने वाली वजह

नई दिल्ली। टीवी शो 'अनुपमा' को इन दिनों काफी पसंद किया जा रहा है। इस शो की पॉपुलेरिटी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। इस शो का हर कलाकार अपनी

शानदार एक्टिंग की वजह से काफी पसंद किया जाता है। टीआरपी लिस्ट में भी ये शो हमेशा ही टॉप पायदान पर रहता है। लेकिन इसी बीच अब इस शो के लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है जिसे सुनकर दर्शकों को बड़ा झटका लग सकता है। जी हां, अनुपमा से एक खास कैरेक्टर ने शो को ही नहीं बल्कि टीवी इंडस्ट्री को ही छोड़ने का ऐलान कर दिया है। ये कोई और नहीं बल्कि अनुपमा की बहू नव्या यानी अनघा भोंसले हैं। इस फैसले के पीछे की वजह अनघा ने टीवी इंडस्ट्री के दोगलापन बताया है।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' के बाद आलिया भट्ट ने मारी लंबी छलांग, 'वंडर वुमन' के साथ करेंगी हॉलीवुड में डेब्यू

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के फैंस के लिए खुश खबरी हैं। जिसे जानने के बाद हर कोई हैरान हो सकता है। गंगूबाई काठियावाड़ी एक्ट्रेस ने अब हॉलीवुड सिनेमा की ओर जाने का फैसला किया है। जी हां, आलिया भट्ट जल्द हॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। वह फिल्म वंडर वुमन की मशहूर अभिनेत्री गैल गैडोट और फिफ्टी

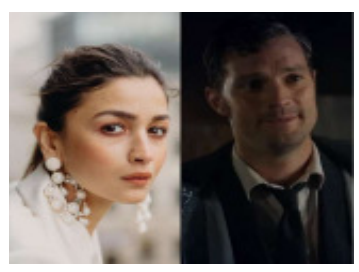

शेड्स ऑफ ग्रे के एक्टर जेमी डोर्नन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाली हैं। हॉलीवुड सिनेमा में डेब्यू करने की जानकारी नेटफ्लिक्स इंडिया ने सोशल मीडिया के जरिए दी हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर आलिया भट्ट की तस्वीर शेयर कर अपने नए प्रोजेक्ट की घोषणा की है। नेटफ्लिक्स इंडिया के ट्वीट के अनुसार आलिया भट्ट गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ फिल्म हार्ट टू स्टोन में नजर आने वाली हैं। आलिया भट्ट के हॉलीवुड सिनेमा में डेब्यू करने को लेकर लंबे समय से चर्चा थी। अब इस खबर की आधिकारिक घोषणा होने के बाद अभिनेत्री के फैंस काफी उत्साहित है। नेटफ्लिक्स इंडिया का ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस ट्वीट को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो इन दिनों वह अपनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर काफी सुर्खियों में है। आलिया भट्ट की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले हफ्ते में बेहतरीन कलेक्शन किया है। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी 25 फरवरी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और फिल्म को ऑडियंस का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म में आलिया भट्ट और अजय देवगन के अलावा विजय राज, शांतनु माहेश्वरी और सीमा पाहवा भी प्रमुख भूमिका में हैं। यह फिल्म हुसैन जैदी की नॉवेल माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई कर रही है। अब कई फिल्मी सितारे भी आलिया भट्ट की इस फिल्म की तारीफ कर चुके हैं। फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया के गंगूबाई अंदाज को फैंस काफी पसंद भी कर रहे हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारत में 100 करोड़ रुपए की ओर दौड़ रही है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।